मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, रविवार, 22 नवंबर 2026

संवत 2083, कार्तिक शुक्ल 13 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 76 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028



4 ▶▶ इंस्टाग्राम के जरिए बनाएं यूजिक में करियर

'टॉक्सिक' में इंटीमेट सीन देकर घिरी थीं अभिनेत्री, अब बताया कैसा था सिद्धार्थ का रिएक्शन ◀◀ 6

चंदवा-लोहरदगा मुख्य मार्ग पर दर्दनाक हादसा

बाइक सवार दो युवकों की मौत, एक गंभीर

महादेव मंडा के समीप अनियंत्रित होकर पलटी बुलेट बाइक, दोनों युवकों ने घटनास्थल पर तोड़ा दम



संवाददाता

चंदवा: चंदवा-लोहरदगा मुख्य मार्ग पर शनिवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना महादेव मंडा के समीप हुई। मृतकों की पहचान चंदवा थाना क्षेत्र के सुकलकट्ठा गांव निवासी कार्तिक उरांव (24) और तरुण यादव (25) के रूप में हुई है। वहीं, हादसे में विजय कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, तीनों युवक बुलेट बाइक पर सवार होकर लोहरदगा से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान महादेव मंडा के समीप बाइक अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि कार्तिक उरांव और तरुण यादव को गंभीर चोटें आईं और दोनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, विजय कुमार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल को पहुंचाया अस्पतालः हादसे के बाद आसपास के लोग घटनास्थल पर जुट गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायल विजय कुमार को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना की जानकारी ली।

लातेहार में सड़क दुर्घटना

पेड़ से टकराई बाइक ,दो युवकों की मौत, एक गंभीर

लातेहारः जिले में शनिवार रात चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत महादेव मंडा के पास तेज रफ्तार मोटरसाइकिल पेड़ से टकरा गई। इस सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों में तरुण यादव और कार्तिक उरांव शामिल हैं। दोनों चंदवा थाना क्षेत्र के सुकलकट्ठा गांव के रहने वाले थे, जबकि घायल की पहचान विजय उरांव के रूप में हुई है।

गुमला से लौटते समय हुआ हादसा : दरअसल, लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत सुकलकट्ठा गांव के रहने वाले 3 युवक अपने बाइक से गुमला गए थे। गुमला से लौटने के दौरान शनिवार रात उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और एक पेड़ से टकरा गई। रफ्तार इतनी तेज थी कि बाइक पर सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में जब आसपास के ग्रामीणों को घटना की जानकारी मिली तो इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम तत्काल एंबुलेंस के साथ घटनास्थल पर पहुंची और तीनों घायलों को चंदवा अस्पताल पहुंचाया। जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने तरुण यादव और कार्तिक उरांव को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल विजय उरांव का प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को लिखा पत्र

झारखंड हाईकोर्ट में स्थायी चीफ जस्टिस की नियुक्ति का आग्रह

हेमंत सोरेन ने कॉलेजियम से की पहल की मांग, बार-बार कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति से न्यायिक प्रशासन प्रभावित होने की जताई चिंता

संवाददाता

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत को पत्र लिखकर झारखंड हाईकोर्ट में स्थायी मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति का आग्रह किया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम से इस मामले में तत्काल पहल करने की अपील की है। मुख्यमंत्री का कहना है कि झारखंड हाईकोर्ट में बार-बार कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति होने से न्यायिक प्रशासन की निरंतरता प्रभावित होती है।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा है कि झारखंड हाईकोर्ट में लंबे समय से स्थायी मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति नहीं होने के कारण प्रशासनिक कामकाज पर असर पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि झारखंड हाईकोर्ट के वर्तमान कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एसएन पाठक 27 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उनके सेवानिवृत्त होने में कुछ



ही दिन शेष हैं, लेकिन अब तक अगले मुख्य न्यायाधीश के नाम पर स्थिति स्पष्ट नहीं हुई है।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि मुख्य न्यायाधीश रवि रंजन के सेवानिवृत्त होने के बाद से अब तक तीन बार दो से छह महीने की अवधि के लिए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए गए हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, इस तरह बार-बार अस्थायी व्यवस्था किए जाने से न्यायिक प्रशासन की निरंतरता प्रभावित होती है।

मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया है कि मुख्य न्यायाधीश के पद पर रिक्ति होने से कम से कम तीन महीने पहले नई नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसी वर्ष 26 फरवरी को कहा था कि किसी हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनने वाले न्यायाधीश का स्थानांतरण दो महीने पहले किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कॉलेजियम से आग्रह किया है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए झारखंड हाईकोर्ट में जल्द स्थायी मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए।

गुजरात के कच्छ में भीषण सड़क हादसा

ट्रेलर की टक्कर से कार के हुए दो टुकड़े, सात की मौत

मृतकों में तीन बच्चे, दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल, खावड़ा से लौट रहे थे पर्यटक

गुजरातः गुजरात के कच्छ जिले में शनिवार देर रात भीषण सड़क हादसे में दो परिवारों के सात लोगों की मौत हो गई। हादसा भुज-खावड़ा हाईवे पर वेकरिया रण क्षेत्र के पास हुआ। मृतकों में तीन छोटे बच्चे, दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। बताया जा रहा है कि सभी पर्यटक थे और खावड़ा से कार में सवार होकर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी कार की तेज रफ्तार ट्रेलर से जोरदार टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भीषण कि कार के उड़ गए परखच्चेः प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसके दो टुकड़े हो गए। हादसे में कार सवार सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही धोरडो थाना पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से क्षतिग्रस्त कार से शवों को बाहर निकाला गया।

ओवरटेक करने के दौरान हादसे की आशंकाः पुलिस की प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और गलत तरीके से ओवरटेक करने को हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि कार चालक आगे चल रहे वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे ट्रेलर से कार की सीधी टक्कर हो गई। हालांकि, पुलिस हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए तकनीकी जांच कर रही है।

एसपी समेत वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे घटनास्थलः हादसे की गंभीरता को देखते हुए पश्चिम कच्छ के पुलिस अधीक्षक विकास सुंडा समेत कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल और अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने सभी सात शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए नजदीकी अस्पताल भेज दिया है। मृतकों के परिजनों को सूचना दी जा रही है। धोरडो पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

पटना में शादी से लौट रही स्कॉर्पियो ट्रक से टकराई, चार की मौत , छह घायल

पटना : बिहार के पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल में रविवार सुबह भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। हादसा बख्तियारपुर के सबनीमा गांव के पास फोरलेन पर सुबह करीब पांच बजे हुआ। शादी समारोह से लौट रही स्कॉर्पियो की ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल ने बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।



जानकारी के अनुसार, सिकंदरा गांव से बारात बख्तियारपुर आई थी। शादी समारोह संपन्न होने के बाद कुछ लोग स्कॉर्पियो से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान जगन्नाथ पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार ट्रक ने स्कॉर्पियो को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।

हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान धीरज कुमार (26), पूनम कुमारी (27), बबली कुमारी (18) और रेणु कुमारी (20) के रूप में हुई है। पूनम दूल्हे की चचेरी बहन थी और सिकंदरा गांव की रहने वाली थी। उसकी मां ने बताया कि बेटी शादी समारोह में शामिल होने गई थी, लेकिन घर लौटते समय हादसे का शिकार हो गई।

वहीं, धीरज कुमार की मां ने बताया कि उनका बेटा पेशेवर चालक नहीं था। वह पढ़ाई कर रहा था और हाल ही में उसने 30 हजार रुपये की किताबें मंगाई थीं। शादी समारोह में स्कॉर्पियो चलाने के लिए उसे साथ ले जाया गया था। धीरज परिवार का इकलौता बेटा था और बाढ़ के अकबरपुर गांव का रहने वाला था। बेटे की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। एएसआई अंजनी कुमार ने बताया कि हादसा सुबह करीब पांच बजे सबनीमा गांव के पास जगन्नाथ पेट्रोल पंप के नजदीक हुआ। स्कॉर्पियो में 10 से 12 लोग सवार थे। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक घायल ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

हादसे में घायल छह लोगों में से कुछ की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। अन्य घायलों का बख्तियारपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार चल रहा है।

गुजरात में तेज रफ्तार कार पलटते ही बनी आग का गोला, तीन लोग जिंदा जले

जूनागढ़: गुजरात के जूनागढ़ जिले में केशोद-बालागाम रोड पर रविवार को खमीदाणा गांव के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद कार में भीषण आग लग गई और देखते ही देखते वाहन आग के गोले में तब्दील हो गया। इस दर्दनाक हादसे में कार सवार तीन लोगों की जिंदा जलने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार से बाहर छिटककर गिरी एक युवती की जान बच गई। हालांकि, वह गंभीर रूप से घायल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार केशोद-बालागाम रोड से गुजर रही थी। इसी दौरान खमीदाणा गांव के पास चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिससे तेज रफ्तार कार सड़क पर पलट गई। कार के पलटते ही उसमें आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि सवार लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। देखते ही देखते पूरी कार आग की लपटों से घिर गई। इसी दौरान एक युवती कार से बाहर छिटककर दूर जा गिरी, जिससे उसकी जान बच गई।

गंभीर रूप से घायल युवती को 108 एंबुलेंस की मदद से केशोद के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार शुरू किया गया। हादसे के भयावह दृश्य के कारण युवती गहरे सदमे में बताई जा रही है। चिकित्सकों की टीम उसकी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। सूचना मिलते ही केशोद फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। आग बुझने के बाद वाहन के भीतर तीन लोगों के शव मिले।

पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल मृतकों की पहचान करने और जले हुए वाहन के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि हादसे के कारणों का पता लगाया जा सके।

कोटा में खड़े ट्रक में घुसी श्रद्धालुओं की क्रूजर, नौ की मौत और आठ घायल



कोटा: राजस्थान के कोटा में नेशनल हाईवे-52 पर शंभूपुरा बाईपास के पास शनिवार देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। खाटू श्याम जी के दर्शन कर महाराष्ट्र लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी क्रूजर गाड़ी सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। रात करीब 12:30 बजे हुए इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस उपाधीक्षक (द्वितीय) राजेश टेलर ने बताया कि ट्रक चालक ने वाहन की जांच करने के लिए उसे सड़क पर ही रोक दिया था और नीचे उतर गया था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही क्रूजर सीधे ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि क्रूजर के परखच्चे उड़ गए। हादसे में ट्रक चालक भी घायल हुआ है।

तीन वाहनों के काफिले में निकले थे श्रद्धालुःपुलिस के अनुसार, महाराष्ट्र के धुले से करीब 36 लोग मंगलवार रात 10 बजे तीन गाड़ियों में सवार होकर राजस्थान की धार्मिक यात्रा पर निकले थे। इस दौरान उन्होंने मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर, उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर, सांवरिया जी, पुष्कर, अजमेर, सालासर बालाजी और खाटू श्याम जी के दर्शन किए। दर्शन के बाद सभी श्रद्धालु अपने घर महाराष्ट्र लौट रहे थे। बूंदी की तरफ से आते समय उनका काफिला शंभूपुरा गांव के पास पहुंचा। इसी दौरान सबसे आगे चल रही क्रूजर गाड़ी सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में अधिकांश लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रधानमंत्री बोले- एक साल तक सोना नहीं खरीदने की अपील से लोगों के बचे पैसे, कीमतों में आई गिरावट

लखनऊः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारतीयों ने सोना कम खरीदने की उनकी अपील पर ध्यान दिया, जिससे लोगों के पैसे बचे हैं। लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने उनकी सलाह मानी, उन्हें इसका फायदा मिला है। हालांकि, बाजार विश्लेषकों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में गिरावट की मुख्य वजह मजबूत अमेरिकी डॉलर और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका है। गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित पांचवें राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने देशवासियों से आग्रह किया था कि यदि बहुत जरूरी न हो तो एक साल तक सोना न खरीदें। करीब छह महीने पहले 10 मई को की गई इस अपील पर लोगों की प्रतिक्रिया की तुलना उन्होंने 1960 के दशक में तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर



शास्त्री की अपील से की।

मोदी ने कहा कि जिस तरह लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से एक समय का भोजन छोड़ने की अपील की थी और पूरे देश ने उसका पालन किया था, उसी तरह आज भी देश के लोगों में देशहित में फैसले लेने का जज्बा है। उन्होंने कहा कि लोगों ने उनकी सलाह मानकर सोना कम खरीदा और अब उन्हें लगता है कि इससे उनके पैसे बच गए।

मई में हैदराबाद से की थी अपीलः प्रधानमंत्री ने सबसे पहले मई में हैदराबाद में भाजपा की एक जनसभा के दौरान सोना कम खरीदने की अपील की थी। उस समय पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही थीं और भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ रहा था।

उन्होंने कहा था कि सोने के आयात पर बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च होती है। ऐसे में देशहित में लोगों को एक साल तक सोना नहीं खरीदने का संकल्प लेना चाहिए। उस दौरान उन्होंने ईंधन का कम इस्तेमाल करने और विदेश यात्राओं को टालने समेत सात अपीलें की थीं। इसके तीन दिन बाद सरकार ने सोने और चांदी पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया था। एक सितंबर को वीडियो संदेश के जरिए प्रधानमंत्री ने अपनी अपील दोहराई और इसे स्वदेशी को बढ़ावा देने से भी जोड़ा।

घरेलू बाजार में करीब 20 प्रतिशत सस्ता हुआ सोनाः घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 11 मई को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमत करीब 1.52 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम थी, जो शुक्रवार के कारोबार के अंत में घटकर लगभग 1.22 लाख रुपये रह गई। इस तरह कीमत में करीब 20 प्रतिशत की गिरावट आई।

यदि किसी परिवार ने मई में 10 ग्राम सोना खरीदने का फैसला टाल दिया होता, तो मौजूदा कीमत के हिसाब से उसे करीब 30 हजार रुपये कम खर्च करने पड़ते।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमतों में गिरावट आई है। 11 मई को हाजिर सोने की कीमत करीब 4,724 डॉलर प्रति औंस थी, जो शनिवार को घटकर लगभग 3,538 डॉलर रह गई। इस तरह इसमें करीब 25 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सोना जनवरी के अंत में बने लगभग 5,590 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर से भी काफी नीचे आ चुका है।

नाइजीरिया में नाव पलटने से 24 लोगों की मौत अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे सभी



नई दिल्ली/एजेंसीः दक्षिण नाइजीरिया में एक दर्दनाक नाव हादसे में 24 लोगों की मौत हो गई। नाव में सवार सभी यात्री एक अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। हादसे के बाद राहत एवं बचाव दल ने पानी से 24 शव बरामद किए हैं। वहीं, लापता लोगों की तलाश के लिए अभियान जारी है। एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (नेमा) के प्रवक्ता मंजो एजेकिएल ने बताया कि दुर्घटनास्थल से अब तक 24 शव निकाले जा चुके हैं। बचाव दल लगातार तलाशी अभियान चला रहा है।

सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर सरकार ने जताई चिंताः हादसे के बाद बायलसा राज्य सरकार ने नाव संचालकों और यात्रियों से जल परिवहन के दौरान सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की है। राज्य की सूचना आयुक्त एबियुवो कोकू-ओबियाई ने कहा कि नावों में क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाना, तेज गति से नाव चलाना और बिना लाइफ जैकेट के सफर करना बेहद खतरनाक है। उन्होंने कहा कि लापरवाही के कारण किसी की जान नहीं जानी चाहिए।

राष्ट्रपति टिनुबू ने जताया शोकः नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला टिनुबू ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर संवेदना जताते हुए कहा कि दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोग इस तरह मौत के हकदार नहीं थे। राष्ट्रपति ने मृतकों के परिजनों के प्रति भी संवेदना व्यक्त की।

नाइजीरिया में नदियों और जलमार्गों पर नाव पलटने की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। इन हादसों की प्रमुख वजहों में क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाना, नावों का उचित रखरखाव नहीं होना और सुरक्षा मानकों की अनदेखी शामिल है।

सरकारी कर्मचारियों का स्टेटस बदलना अब नहीं होगा आसान, तीन स्तरों की जांच के बाद ही मिलेगी मंजूरी

मृत्यु, इस्तीफा, निलंबन और सेवानिवृत्ति समेत 10 श्रेणियों में बदलाव के लिए वित्त विभाग ने जारी की नई एसओपी

संवाददाता

रांचीः झारखंड सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के सेवा रिकॉर्ड और प्रोफाइल में बदलाव की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सख्त बना दिया है। अब किसी कर्मचारी की मृत्यु, ऐच्छिक सेवानिवृत्ति, बर्खास्तगी, इस्तीफा या निलंबन जैसी स्थिति में उसका स्टेटस बदलना आसान नहीं होगा। इसके लिए तीन स्तरों पर जांच और मंजूरी अनिवार्य कर दी गई है।

वित्त विभाग ने झारखंड इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम (जेआइएफएमएस) के तहत नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और यूजर मैन्युअल जारी किया है। इसके अनुसार, कर्मचारी के सेवा रिकॉर्ड में किसी भी तरह का बदलाव करने से पहले संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। इस



व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य सेवा विवरण में गलत या अप्रमाणित जानकारी दर्ज होने से रोकना और डिजिटल रिकॉर्ड की विश्वसनीयता बनाए रखना है।

तीन स्तरों पर पूरी होगी प्रक्रियाः नई व्यवस्था के तहत सबसे पहले आहरण एवं संवितरण अधिकारी (डीडीओ) को बिल प्रबंधन प्रणाली में संबंधित कर्मचारी की प्रोफाइल खोलनी होगी। इसके बाद 'अपडेट स्टेटस' टैब में जाकर निर्धारित श्रेणी का चयन करना होगा। कर्मचारी की स्थिति में बदलाव के समर्थन में जरूरी दस्तावेज भी अपलोड करने होंगे। प्रारंभिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद आवेदन को संबंधित कोषागार में भेजा जाएगा।

सहायक पदाधिकारी और कोषागार अधिकारी करेंगे जांचः प्रक्रिया के दूसरे चरण में सहायक पदाधिकारी (एओ) आवेदन में दर्ज कर्मचारी के विवरण, चयनित स्टेटस और अपलोड किए गए दस्तावेजों की जांच करेंगे। यदि आवेदन में कोई त्रुटि मिलती है या जरूरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं होते हैं, तो उसे अस्वीकार किया जा सकता है। जांच में सही पाए जाने पर आवेदन को कोषागार पदाधिकारी (टीओ) के पास भेजा जाएगा। तीसरे और अंतिम चरण में कोषागार पदाधिकारी सभी विवरणों और दस्तावेजों का सत्यापन करेंगे। उनकी मंजूरी मिलने के बाद ही जेआइएफएमएस में संबंधित कर्मचारी का स्टेटस अपडेट किया जा सकेगा। इस तरह बिना जरूरी जांच और अनुमोदन के सेवा रिकॉर्ड में बदलाव संभव नहीं होगा।

स्टेटस बदलने के लिए निर्धारित की गई 10 श्रेणियांः वित्त विभाग ने कर्मचारियों का स्टेटस अपडेट करने के लिए कुल 10 श्रेणियां निर्धारित की हैं। डीडीओ इन्हीं श्रेणियों के तहत बदलाव का प्रस्ताव भेज सकेंगे। इनमें मृत्यु, ऐच्छिक सेवानिवृत्ति योजना, बर्खास्तगी, प्रतिनियुक्ति, निलंबन, अनुपस्थिति या लापता, अनिवार्य सेवानिवृत्ति योजना, छंटनी, इस्तीफा और सेवा से हटाया जाना शामिल हैं।

नई व्यवस्था लागू होने से सरकारी कर्मचारियों के सेवा रिकॉर्ड में बदलाव की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होगी। साथ ही, गलत जानकारी के आधार पर कर्मचारी का स्टेटस बदलने की आशंका को कम करने में भी मदद मिलेगी।

झारखंड में 40% तक महंगी हो सकती है बिजली, जेबीवीएनएल ने शुरू की नई दरों की तैयारी

वित्तीय वर्ष 2027-28 के लिए 30 से 40 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव, 31 मार्च 2027 तक आयोग लेगा फैसला



संवाददाता

रांचीः झारखंड के बिजली उपभोक्ताओं को अगले वित्तीय वर्ष में महंगाई का एक और झटका लग सकता है। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) वित्तीय वर्ष 2027-28 के लिए बिजली दरों में 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का प्रस्ताव तैयार कर रहा है। हालांकि, प्रस्ताव को अभी निगम स्तर पर अंतिम मंजूरी नहीं मिली है।

निगम ने नई बिजली दरों को लेकर टैरिफ पिटीशन तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नियमानुसार, इसे 30 नवंबर 2026 तक झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग के समक्ष दाखिल करना है।

बिजली खरीद और पुराने बकाये को बनाया आधारः प्रस्तावित बढ़ोतरी के पीछे निगम ने बिजली खरीद की बढ़ती लागत, पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए), पुरानी देनदारियों और वितरण व्यवस्था पर होने वाले खर्च को आधार बनाया है। निगम का मानना है कि बिजली खरीद पर लगातार खर्च बढ़ रहा है।

इसके अलावा पुराने ट्रांसफॉर्मरों के रखरखाव, नए ट्रांसफॉर्मर लगाने, बिजली लाइनों को दुरुस्त करने और वितरण नेटवर्क के आधुनिकीकरण के लिए भी अतिरिक्त राशि की जरूरत है।

निगम के अनुसार, बिजली चोरी और लाइन लॉस कम करने के साथ ग्रामीण इलाकों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भी निवेश करना होगा। इन्हीं वित्तीय जरूरतों का हवाला देकर निगम आयोग के सामने बिजली दरों में 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की मांग रख सकता है।

31 मार्च तक आयोग करेगा फैसलाः टैरिफ पिटीशन जमा होने के बाद झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग इसकी समीक्षा करेगा। आयोग को 31 मार्च 2027 तक नई बिजली दरों पर फैसला लेना है। इस दौरान जनसुनवाई भी होगी, जिसमें आम बिजली उपभोक्ता, औद्योगिक संस्थान और सामाजिक संगठन प्रस्तावित बढ़ोतरी पर अपनी आपत्तियां और सुझाव रख सकेंगे।

आयोग सभी पक्षों को सुनने के बाद अंतिम टैरिफ निर्धारित करेगा। ऐसे में निगम की ओर से प्रस्तावित 30 से 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी अभी अंतिम फैसला नहीं है।

पांच साल में घरेलू बिजली दर 1.65 रुपये प्रति यूनिट बढ़ीः पिछले पांच वर्षों में झारखंड में घरेलू बिजली की दरों में लगातार बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2022-23 में घरेलू बिजली की दर 5.75 रुपये से बढ़ाकर 6.30 रुपये प्रति यूनिट की गई थी। इसके बाद 2023-24 में 35 पैसे की वृद्धि के साथ दर 6.65 रुपये प्रति यूनिट हो गई।

वर्ष 2024-25 में दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। वर्ष 2025-26 में 20 पैसे की बढ़ोतरी के बाद दर 6.85 रुपये प्रति यूनिट निर्धारित की गई। वहीं, 2026-27 में फिर 55 पैसे की वृद्धि की गई और घरेलू बिजली की दर 7.40 रुपये प्रति यूनिट हो गई।

इस तरह पांच वर्षों में घरेलू बिजली की दर 5.75 रुपये से बढ़कर 7.40 रुपये प्रति यूनिट पहुंच गई है। यानी उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 1.65 रुपये अधिक भुगतान करना पड़ रहा है। अब वित्तीय वर्ष 2027-28 के लिए प्रस्तावित बढ़ोतरी पर आयोग का फैसला बिजली उपभोक्ताओं के अगले बिल का बोझ तय करेगा।

संपादन नोटः मूल सामग्री के आधार पर भाषा, व्याकरण और शीर्षक सुधारे गए हैं।

झारखंड राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग का गठन शुरू, अब शिक्षकों की नियुक्ति करेगा नया आयोग



रांचीः झारखंड के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों एवं कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए झारखंड राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग के गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अब राज्य के विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के बजाय नया आयोग करेगा। इसके अलावा झारखंड पात्रता परीक्षा (जेट) का आयोजन भी इसी आयोग के माध्यम से कराया जाएगा।

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने झारखंड राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग के गठन की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से शुरू कर दी है। फिलहाल अस्थायी व्यवस्था के तहत आयोग का संचालन रांची के नामकुम स्थित जियाडा भवन से किया जाएगा। विभाग ने इसके लिए भवन में स्थान चिह्नित कर लिया है।

हाल ही में अधिसूचित झारखंड विश्वविद्यालय अधिनियम, 2026 में इस आयोग के गठन का स्पष्ट प्रावधान किया गया है।

जुपमी भवन में खुलेंगे तीन प्राधिकरणों के कार्यालयः उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के तीन अन्य प्रस्तावित प्राधिकरणों के कार्यालय रांची के धुर्वा स्थित स्मार्ट सिटी के जुपमी भवन में संचालित होंगे। इनके लिए भवन में स्थान आवंटित कर दिया गया है। कार्यालयों में आवश्यक आधारभूत संरचनाएं तैयार करने की जिम्मेदारी झारखंड भवन निर्माण निगम को सौंपी गई है।

इनमें विश्वविद्यालय कर्मचारी शिकायत निवारण न्यायाधिकरण, फीस रेगुलेशन कमेटी और झारखंड कोचिंग सेंटर रेगुलेशन अथॉरिटी शामिल हैं। कर्मचारियों की शिकायतों का निपटारा करेगा न्यायाधिकरणः झारखंड विश्वविद्यालय अधिनियम, 2026 में विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों की शिकायतों के निष्पादन के लिए कर्मचारी शिकायत निवारण न्यायाधिकरण के गठन का भी प्रावधान है। इसका अध्यक्ष उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बनने की योग्यता रखने वाला व्यक्ति होगा। न्यायाधिकरण को राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की शिकायतें सुनने तथा उन पर आवश्यक आदेश पारित करने का अधिकार होगा।

आंतरिक शिकायत समितियों से अलग होगा न्यायाधिकरणः विश्वविद्यालयों में गठित होने वाला कर्मचारी शिकायत निवारण न्यायाधिकरण पहले से संचालित आंतरिक शिकायत निवारण समितियों से अलग होगा। वहीं, फीस रेगुलेशन कमेटी और झारखंड कोचिंग सेंटर रेगुलेशन अथॉरिटी का गठन भी संबंधित अधिनियमों के प्रावधानों के तहत किया जाएगा।

गुमला के घाघरा में कल जुटेंगे 10 हजार आदिवासी केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम होंगे मुख्य अतिथि

जनजातीय गौरव दिवस समारोह में संस्कृति और परंपरा की दिखेगी झलक, आयोग लगाएगा विशेष शिकायत केंद्र

संवाददाता

गुमलाः जिले के घाघरा स्थित एसएस प्लस-2 उच्च विद्यालय मैदान में 23 नवंबर को भव्य जनजातीय गौरव दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में करीब 10 हजार आदिवासियों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। आयोजन राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की ओर से किया जा रहा है।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने शनिवार को गुमला परिसदन में आयोजित प्रेसवार्ता में कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समारोह में आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह



आर्य सहित आयोग के वरिष्ठ अधिकारी और पदाधिकारी भी शामिल होंगे।

समारोह के दौरान जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपरा और गौरवशाली विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ ही समाज के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जाएगा। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभावान लोगों और समाज के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अगुवाओं को भी सम्मान मिलेगा।

आयोग के समक्ष सीधे रख सकेंगे समस्याएंः कार्यक्रम की प्रमुख विशेषता राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का विशेष शिकायत केंद्र होगा। यहां जनजातीय समाज के लोग अपनी समस्याएं, शिकायतें और अधिकारों से जुड़े मामले सीधे आयोग के समक्ष रख सकेंगे। प्राप्त शिकायतों पर आयोग संज्ञान लेकर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगा।

डॉ. आशा लकड़ा ने कहा कि यह समारोह केवल जनजातीय गौरव का उत्सव नहीं, बल्कि समाज की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान की दिशा में पहल करने का माध्यम भी है। जनजातीय समाज के संवैधानिक अधिकारों का संरक्षण, उनकी समस्याओं को उचित मंच उपलब्ध कराना और समाज के प्रेरणादायी व्यक्तित्वों को सम्मान देना आयोग की प्राथमिकताओं में शामिल है।

बेरमो में अवैध कोयला कारोबार पर उग्रवादी विरोधी बल का प्रहार, 38.820 टन कोयला बरामद, पिकअप जब्त

बेरमोः बेरमो अनुमंडल के बेरमो प्रखंड क्षेत्र में कोयले के अवैध कारोबार और तस्करी के खिलाफ उग्रवादी विरोधी बल ने कार्रवाई तेज कर दी है। 'जीरो कोल लीकेज' अभियान के तहत दो अलग-अलग कार्रवाइयों में बल ने 38.820 टन अवैध रूप से भंडारित कोयला बरामद किया। इसके अलावा कोयला लदा एक पिकअप वाहन भी जब्त किया गया।

पहली कार्रवाई में सीसीएल के इएंडडी एरिया अंतर्गत बैदकारो माइंस क्षेत्र में कमांडेंट राजप्रताप सिंह के निर्देश पर छापेमारी की गई। गारा अभिलाष, उप कमांडेंट और धनंजय कुमार पांडेय, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में उकरक्र रेड टीम, आसूचनाकर्मियों तथा सीसीएल सुरक्षाकर्मियों ने संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान बैदकारो माइंस के विभिन्न स्थानों पर अवैध रूप से भंडारित 38.820 टन कोयला बरामद किया गया। बरामद कोयले को आवश्यक कार्रवाई के लिए सीसीएल प्रबंधन को सौंप दिया गया। वहीं, खेतको बस्ती से अवैध रूप से कोयला परिवहन किए जाने की सूचना पर बल ने चरकपनिया, खेतको, चलकारी, ढोरी खास और कल्याणी समेत संवेदनशील इलाकों में एरिया डोमिनेशन और एम्बुश अभियान चलाया। इसी क्रम में तड़के करीब 3:50 बजे ढोरी खास के निकट खेतको की ओर से आ रहे एक संदिग्ध पिकअप वाहन (जेएच 01सीसी 3168) को रोकने का प्रयास किया गया। बल के जवानों को देखते ही चालक वाहन सड़क पर छोड़कर फरार हो गया।

चौपारण की दनुआ घाटी में पलटा ट्रक, बाल-बाल बचे चालक और खलासी

हजारीबागः जिले के चौपारण स्थित दनुआ घाटी में शनिवार दोपहर जोरराही पुल के पास एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे पलट गया। हादसे में ट्रक चालक और खलासी बाल-बाल बच गए। दोनों को हल्की चोटें आई हैं। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए और राहत कार्य में सहयोग किया। सूचना मिलते ही एनएचएआई की ईएमटी मेडिकल टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायल चालक व खलासी का प्राथमिक उपचार किया। मिली जानकारी के अनुसार, ट्रक सियरकोनी की ओर से दनुआ घाटी के रास्ते आ रहा था। घाटी का सियरकोनी की ओर वाला हिस्सा ढलानयुक्त है। इस कारण यहां भारी वाहन अक्सर दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं।

सिंगपुर चौक पर सीमेंटेड पिलर से गिरा आजसू का झंडा, लोगों में चर्चा

सड़क निर्माण के दौरान गिरने या किसी वाहन की टक्कर से हादसा होने की जताई जा रही आशंका



संवाददाता

मुरीः सिंगपुर चौक पर सीमेंटेड पिलर पर लगाया गया आजसू का झंडा रविवार सुबह गिरा हुआ मिला। सुबह लोगों ने जब झंडे और पिलर को जमीन पर पड़ा देखा तो इलाके में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं।

कुछ लोगों ने आशंका जताई कि किसी ने जानबूझकर द्वेषवश धक्का देकर इसे गिराया होगा। वहीं, कुछ लोगों का मानना था कि सड़क निर्माण कार्य के दौरान इसे हटाने के उद्देश्य से गिराया गया होगा।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह भी संभव है कि बीती रात किसी बड़े वाहन की टक्कर से पिलर गिर गया हो। हालांकि, घटना किस वजह से हुई, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

इस संबंध में सड़क निर्माण कार्य से जुड़ी कंपनी के कंस्ट्रक्शन हेड ने बताया कि उनकी कंपनी के किसी कर्मचारी ने झंडे या पिलर को नहीं गिराया है। संभव है कि किसी अन्य वाहन की टक्कर से यह गिरा हो और घटना के समय किसी की नजर उस पर नहीं पड़ी हो।

फिलहाल झंडा गिरने के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

26 नवंबर को संविधान गौरव दिवस मनाएगी भाजपा जनहित के मुद्दों पर राज्यव्यापी आंदोलन की तैयारी

कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार, छात्रवृत्ति और पेंशन के लंबित भुगतान हुई चर्चा

संवाददाता

रांचीः भाजपा राज्य में जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन तेज करने की तैयारी में है। गिरिडीह के अशोका इंटरनेशनल होटल में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की अध्यक्षता में पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक हुई। इसमें संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों और राज्य के विभिन्न जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन कुमार साय सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण के साथ किया गया।

बैठक के बाद प्रदेश महामंत्री



अमर कुमार बाउरी ने प्रेसवार्ता में बताया कि पार्टी आने वाले दिनों में चरणबद्ध तरीके से संगठनात्मक और जनसंपर्क कार्यक्रम चलाएगी। इसके तहत 26 नवंबर को संविधान गौरव दिवस मनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान, संविधान के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा एवं जनकल्याण के 25 वर्षों को जनता के बीच रखा जाएगा। साथ ही कांग्रेस के शासनकाल में संविधान के कथित उल्लंघन के मुद्दे भी उठाए जाएंगे।

कानून-व्यवस्था पर सरकार को घेराः अमर बाउरी ने महिला अत्याचार की घटनाओं, गम्हरिया थाना प्रकरण, सुंदरपहाड़ी और सिमडेगा से जुड़े मामलों, निशा भगत आत्महत्या प्रकरण तथा गिरिडीह बैंक डकैती का उल्लेख करते हुए राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए।

उन्होंने जेपीएससी और जेएसएससी-सीजीएल की कथित अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों पर हमले का आरोप लगाया। कहा कि छात्रों के अधिकारों की लड़ाई में भाजपा उनके साथ खड़ी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विरोध-प्रदर्शनों को रोकने के लिए प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग कर रही है।

एमएमडीआर को लेकर 25 और 26 नवंबर को बुलाए गए विशेष सत्र पर भी उन्होंने सवाल उठाए। इसके अलावा खनिजों की कथित अवैध तस्करी, एसआईआर के विरोध और ईवीएम को लेकर कांग्रेस के रुख की आलोचना की।

बाउरी ने कहा कि बैठक में 27 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कथित वित्तीय अनियमितताओं, वृद्धा एवं दिव्यांग पेंशन तथा छात्रवृत्ति के लंबित भुगतान जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। उन्होंने सरकार पर जनसमस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि महिला सुरक्षा, छात्रों के अधिकार और भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा का संघर्ष जारी रहेगा।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन कुमार साय, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, बालमुकुंद सहाय, सुनील सोरेन एवं गीता कोड़ा, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा, अमर कुमार बाउरी एवं मनोज सिंह तथा प्रदेश मंत्री दिलीप वर्मा समेत अन्य नेता मौजूद रहे।

विधायक निरल पूर्ति को मिला बिरसा मुंडा उत्कृष्ट विधायक सम्मान, राज्यपाल ने किया सम्मानित

झारखंड विधानसभा के 26वें स्थापना दिवस समारोह में शॉल और मोमेंटो देकर किया गया सम्मानित

संवाददाता

रांची: झारखंड विधानसभा का 26वां स्थापना दिवस समारोह रविवार को सादगीपूर्ण तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर मंझगांव से झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक निरल पूर्ति को बिरसा मुंडा उत्कृष्ट विधायक सम्मान से नवाजा गया। राज्यपाल संतोष गंगवार ने उन्हें शॉल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया।



समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत राज्य सरकार के कई मंत्री, वर्तमान विधायक और खेल जगत की नामचीन हस्तियां शामिल हुईं। हाल के दिनों में झारखंड के राजनीतिक जगत से जुड़े कई लोगों के निधन और शोक की स्थिति को देखते हुए इस बार समारोह सादगीपूर्ण रखा गया। इसी कारण सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन नहीं किया गया।

हालांकि, विधानसभा के स्थापना दिवस पर आयोजित मुख्य समारोह में जनप्रतिनिधियों और अन्य अतिथियों की मौजूदगी रही। इस दौरान उत्कृष्ट विधायक को सम्मानित कर उनके योगदान की सराहना की गई।

अनुभवी लोगों की समिति करती है उत्कृष्ट विधायक का चयनः उत्कृष्ट विधायक सम्मान के लिए चयन की एक निर्धारित प्रक्रिया है। इसके तहत विधानसभा की ओर से एक समिति गठित की जाती है। इस समिति में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, अनुभवी और वरिष्ठ विधायक, नेता प्रतिपक्ष, वरिष्ठ पत्रकार तथा विधानसभा सचिवालय के प्रतिनिधि शामिल होते हैं।

समिति के सदस्य आपसी विचार-विमर्श और संबंधित विधायक के कार्यों का आकलन करने के बाद सम्मान के लिए नाम का चयन करते हैं। इस सम्मान का उद्देश्य विधानसभा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विधायकों का उत्साह बढ़ाना और उनके योगदान को प्रोत्साहित करना है।

गुरु नानक जयंती पर कडरू पुल और आसपास के इलाके का हुआ सौंदर्यीकरण, हटाई गई वर्षों पुरानी गंदगी

नगर निगम के सहयोग से सड़क की मरम्मत और रंग-रोगन का काम जारी, सुरक्षा जाल लगाने की भी योजना

गुलाम शाहिद

रांची: गुरु नानक जयंती के अवसर पर कडरू पुल और उसके आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर सौंदर्यीकरण किया गया। वार्ड 23 के पार्षद प्रतिनिधि खालिद उमर और वार्ड 44 के पार्षद परमजीत सिंह 'टिंकू' ने रांची नगर निगम के सहयोग से पुल के समीप नदी और आसपास के इलाकों में वर्षों से जमा गंदगी की सफाई कराई।



अभियान के तहत लंबे समय से जर्जर और खतरनाक स्थिति में पड़ी सड़क की मरम्मत भी कराई गई। वहीं, क्षेत्र की सुंदरता बढ़ाने के लिए रंग-रोगन, पेंटिंग और सजावटी कार्य किए जा रहे हैं। यह स्थान गुरु नानक स्कूल के समीप है। यहां 24 नवंबर को आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं और गणमान्य लोगों का आवागमन होगा।

पार्षदों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य केवल गुरु नानक जयंती के अवसर पर क्षेत्र को साफ-सुथरा बनाना नहीं, बल्कि स्वच्छता और सुंदरता को स्थायी रूप से बनाए रखना है। इसके लिए भविष्य में सुरक्षा जाल लगाने और नियमित सफाई की व्यवस्था करने की भी योजना है। इस अभियान से स्थानीय लोगों में स्वच्छता और अपने क्षेत्र के रखरखाव के प्रति सकारात्मक संदेश गया है।

मुख्यमंत्री को प्रकाश पर्व और रोजगार सम्मान समारोह का निमंत्रण

कल 3,044 युवाओं को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन देंगे नियुक्ति पत्र

संवाददाता

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को नवंबर में रांची में आयोजित होने वाले दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल होने का निमंत्रण मिला है। इनमें 23 नवंबर को आयोजित होने वाला मुख्यमंत्री कौशल एवं रोजगार सम्मान समारोह और 24 नवंबर को श्री गुरु नानक देव जी की जयंती के अवसर पर आयोजित प्रकाश पर्व शामिल हैं।



इस संबंध में काके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में सिख समाज और कौशल एवं रोजगार क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधिमंडलों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। दोनों प्रतिनिधिमंडलों ने उन्हें अपने-अपने कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया।

24 नवंबर को मनाया जाएगा प्रकाश पर्वः सिख समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर उन्हें श्री गुरु नानक देव जी की जयंती के अवसर पर आयोजित प्रकाश पर्व में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

यह कार्यक्रम 24 नवंबर 2026 को रांची के पीपी कंपाउंड स्थित श्री गुरु नानक स्कूल में आयोजित होगा।

प्रतिनिधिमंडल में झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू, गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा के सचिव गगनदीप सेठी और गुरु गोबिंद सिंह स्कूल के सचिव रंजीत सिंह हैप्पी शामिल थे। सभी ने मुख्यमंत्री को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित किया।

3,044 प्रशिक्षित युवाओं को मिलेंगे नियुक्ति पत्रः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अनुसूचित जनजाति विभाग के सचिव कृपानंद झा ने भी मुलाकात की। उनके साथ प्रेझा फाउंडेशन के प्रतिनिधि मौजूद थे। उन्होंने मुख्यमंत्री को 23 नवंबर को आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री कौशल एवं रोजगार सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

यह समारोह रांची के प्रोजेक्ट भवन सभागार में आयोजित होगा। कार्यक्रम के दौरान कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार हासिल करने वाले 3,044 छात्र-छात्राओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे।

समारोह का उद्देश्य कौशल प्रशिक्षण के बाद रोजगार प्राप्त करने वाले युवाओं को सम्मानित करना और उनकी उपलब्धियों को प्रोत्साहित करना है।

झारखंड के 19 पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों को मिलेगा पदक, 12 को वीरता और सात को सराहनीय सेवा सम्मान

विनय मिश्रा

रांची: झारखंड राज्य स्थापना दिवस समारोह एवं वर्तमान सरकार की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर 28 नवंबर को आयोजित मुख्य समारोह में राज्य के 19 पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को पदक देकर सम्मानित किया जाएगा। इनमें 12 को वीरता पदक और सात को सराहनीय सेवा पदक प्रदान किया जाएगा। इस संबंध में गृह विभाग की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है।





जारी सूची के अनुसार, वीरता पदक पाने वालों में रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन, पुलिस महानिरीक्षक (अभियान) नरेंद्र कुमार सिंह, हटिया के पुलिस उपाधीक्षक नीरज कुमार और धनबाद के पुलिस उपाधीक्षक (विधि-व्यवस्था) प्रकाश सोय शामिल हैं।

इसके अलावा राजीव कुमार भगत, दिव्य प्रकाश, मनोज कुमार चौधरी, सुभाष चंद्र लकड़ा, सोनू कुमार साहू, शंकर प्रसाद कुशवाहा, राजबल्लभ कुमार और शिवलाल गुप्ता को भी वीरता पदक से सम्मानित किया जाएगा। आरक्षी प्रकाश कुमार यादव को भी यह पदक प्रदान किया जाएगा।

सराहनीय सेवा पदक के लिए सात अधिकारियों का चयनः सराहनीय सेवा पदक के लिए असीम विक्रांत मिंज, अनीश गुप्ता, राज कुमार मेहता, दीपक कुमार शर्मा, मुकेश कुमार, दीपक कुमार पांडेय और मो. अरशद खां का चयन किया गया है।

इनमें राज कुमार मेहता एटीएस के पुलिस अधीक्षक, मुकेश कुमार गोड्डा के पुलिस अधीक्षक और दीपक कुमार शर्मा पुलिस अधीक्षक अभियान (नक्सल) के पद पर कार्यरत हैं। वहीं, अनीश गुप्ता वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं।

28 नवंबर को आयोजित मुख्य समारोह में इन सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को उनके साहस, उत्कृष्ट कार्य और सराहनीय सेवाओं के लिए पदक प्रदान किए जाएंगे।

झारखंड में आईएएस अधिकारियों के प्रमोशन की तैयारी तेज, अगले सप्ताह होगी डीपीसी की बैठक

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में विभिन्न बैच के अधिकारियों की पदोन्नति पर होगा विचार, सेवा रिकॉर्ड और सतर्कता रिपोर्ट की भी होगी समीक्षा

संवाददाता

रांची: झारखंड की प्रशासनिक व्यवस्था में आने वाले दिनों में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। राज्य सरकार कई भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों को पदोन्नति देने की तैयारी में है। इसके लिए अगले सप्ताह विभागीय प्रोन्नति समिति (डीपीसी) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में विभिन्न बैच के आईएएस अधिकारियों की पदोन्नति से जुड़े प्रस्तावों पर विचार किया जाएगा।



हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में होगा प्रमोशन पर फैसलाः प्रस्तावित बैठक में उन आईएएस अधिकारियों के नामों पर विचार किया जाएगा, जिन्होंने सेवा अवधि से संबंधित निर्धारित मानक पूरे कर लिए हैं और पदोन्नति के लिए पात्रता रखते हैं। बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अलावा राज्य के मुख्य सचिव और कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के सचिव भी मौजूद रहेंगे। इसे राज्य के प्रशासनिक महकमे की महत्वपूर्ण बैठकों में से एक माना जा रहा है।

कई बैच के आईएएस अधिकारियों को मिल सकता है प्रमोशनः डीपीसी की बैठक में अलग-अलग बैच के अधिकारियों को अगले वेतनमान और उच्च पदों पर पदोन्नति देने के प्रस्ताव रखे जाएंगे। इसमें वरिष्ठ और कनिष्ठ दोनों श्रेणियों के अधिकारियों के मामलों पर विचार किया जा सकता है। हालांकि, अंतिम फैसला संबंधित अधिकारियों की पात्रता और निर्धारित सेवा शर्तों के आधार पर लिया जाएगा।

एसीआर से लेकर विजिलेंस रिपोर्ट तक की होगी जांचः पदोन्नति के लिए अधिकारियों के सेवा रिकॉर्ड की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। इसमें उनके गोपनीय चरित्र प्रतिवेदन (एसीआर), कार्यशैली, प्रशासनिक प्रदर्शन और सतर्कता (विजिलेंस) से जुड़ी रिपोर्टों को प्रमुखता से देखा जाएगा। निर्धारित मानकों पर खरा उतरने वाले अधिकारियों के नामों को पदोन्नति के लिए मंजूरी दी जा सकती है।

डीपीसी के बाद जारी हो सकती है अधिसूचनाः प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, डीपीसी की बैठक में प्रस्तावों को मंजूरी मिलने के बाद कार्मिक विभाग की ओर से आधिकारिक अधिसूचना जारी की जा सकती है। इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों की पदोन्नति की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। इससे राज्य के विभिन्न विभागों में उच्च पदों पर नियुक्ति और प्रशासनिक जिम्मेदारियों के पुनर्निर्धारण का रास्ता भी साफ हो सकता है।

पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी होने के बाद राज्य की नौकरशाही में नई जिम्मेदारियों का बंटवारा देखने को मिल सकता है। कई महत्वपूर्ण पदों पर अधिकारियों की तैनाती और विभागीय कामकाज में बदलाव की संभावना भी जताई जा रही है।

गृह प्रवेश भोज खाने से 400 से अधिक बीमार, मचा हड़कंप

पलामूः जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के जमुआ खरडीहा गांव में गृह प्रवेश समारोह की खुशियां उस समय चिंता में बदल गईं, जब भोज में भोजन करने के बाद 400 से अधिक लोगों के बीमार होने की सूचना सामने आई। शुक्रवार को गांव निवासी विमलेश यादव के घर आयोजित गृह प्रवेश समारोह में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे। भोज खाने के बाद लोगों को उल्टी, बदन दर्द और तेज बुखार की शिकायत होने लगी। रविवार तक बीमार लोगों की संख्या बढ़ने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

स्थिति बिगड़ने पर रविवार सुबह 40 से अधिक लोगों को इलाज के लिए छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, कई अन्य बीमार लोगों का गांव में ही इलाज किया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची और प्रभावित लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में जुट गई।

विधानसभा स्थापना दिवस समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा

मानवता का मंदिर है विधानसभा

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड विधानसभा के 26वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लोकतंत्र की सर्वोच्चता और विधानसभा की भूमिका को रेखांकित करते हुए इसे मानवता का मंदिर बताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जाति, धर्म और आयु का कोई भेद नहीं होता, सभी समान हैं। लोकतंत्र के इस मंदिर से बड़ा कोई मंदिर नहीं हो सकता। यह इंसानियत और मानवता का मंदिर है, जो समाज को एक साथ आने और बेहतर उदाहरण पेश करने का अवसर देता है।



मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा राज्य को दिशा देने वाली संस्था है, जहां मुख्यमंत्री, मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, सचेतक, नेता प्रतिपक्ष और विपक्ष सहित सभी जनप्रतिनिधि अलग-अलग जिम्मेदारियां निभाते हैं। विधानसभा की समितियां भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। राज्य और देश की व्यवस्था को आगे बढ़ाना किसी एक व्यक्ति के बूते की बात नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है।

लोकतंत्र ही देश की पहचान और ताकतः हेमंत सोरेन ने लोकतांत्रिक संस्थाओं के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि दुनिया भारत के लोकतंत्र की ताकत को स्वीकार करती है। लोकतंत्र का मंदिर ऐसा स्थान है, जहां किसी जाति या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं होता। उन्होंने विधानसभा स्थापना दिवस को लोकतांत्रिक मूल्यों, एकजुटता और जनप्रतिनिधियों की साझा जिम्मेदारी का प्रतीक बताया। कहा कि सभी सदस्य विधानसभा का हिस्सा होने पर गर्व महसूस करते हैं और अलग-अलग भूमिकाओं के जरिए राज्य की व्यवस्था को आगे बढ़ाते हैं।

मुख्यमंत्री ने झारखंड की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले पांच-छह वर्षों में राज्य ने कई क्षेत्रों में ऐसी लकीर खींची है, जिसे देश उदाहरण के रूप में देख रहा है। शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और विभिन्न अनियमितताओं के खिलाफ कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में सरकार ने काम किया है। उन्होंने राज्य की आबादी और देश की आबादी के संदर्भ में विकास के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार निरंतर काम कर रही है और आने वाले समय में भी चुनौतियों का समाधान निकालने के प्रयास जारी रहेंगे।

उपलब्धियों के बावजूद बड़े सुधार की जरूरतः हेमंत सोरेन ने सरकार की उपलब्धियों के साथ व्यवस्था में सुधार की जरूरत भी स्वीकार की। उन्होंने राज्य के शुरूआती दौर के बजट और वर्तमान बजट के आकार में आए बदलाव का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसा नहीं है कि राज्य ने उपलब्धियां हासिल नहीं की हैं, लेकिन इतने बड़े सिस्टम में अभी भी कई काम बाकी हैं। व्यवस्थाओं को और बेहतर व दुरुस्त करने की जरूरत है। बड़े पैमाने पर फेरबदल की आवश्यकता है, ताकि आने वाली चुनौतियों का बेहतर तरीके से समाधान किया जा सके।

शिक्षा आर्थिक स्थिति की मोहताज नहीं होनी चाहिए : आलोक कुमार दूबे

इजीप्रेप ऐप लॉन्च, एआई गुरु 24 घंटे करेगा विद्यार्थियों की मदद



मेट्रो रेज

रांची : बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों की सुविधा के लिए इजीप्रेप डिजिटल ऐप का शुभारंभ किया गया। ऐप का उद्घाटन पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे, झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य जुनैद अनवर, फाउंडर सरवर इमाम एवं अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर सरवर इमाम ने बताया कि ऐप में 24 घंटे उपलब्ध एआई गुरु की सुविधा दी गई है, जो विद्यार्थियों के सवालों का जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान करेगा। ऐप पर 8 हजार से अधिक अभ्यास प्रश्न उपलब्ध हैं। हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में पढ़ाई के साथ पिछले 10 वर्षों के बोर्ड परीक्षा प्रश्नों का अभ्यास भी किया जा सकेगा।

आलोक कुमार दूबे ने कहा कि तकनीक का लाभ ग्रामीण, गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के विद्यार्थियों तक पहुंचना चाहिए। शिक्षा किसी की आर्थिक स्थिति की मोहताज नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह ऐप विद्यार्थियों की परीक्षा तैयारी को आसान बनाने की दिशा में सराहनीय पहल है। उन्होंने पूरी टीम को बधाई देते हुए ऐप की सफलता की कामना की।

झारखंड की कुमारी पलक का भारतीय अंडर-19 टीम में चयन, इंग्लैंड के खिलाफ खेलेंगी टी-20 सीरीज

रांची: झारखंड की उभरती महिला क्रिकेटर कुमारी पलक ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए उनका चयन भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में किया गया है। पलक के चयन से झारखंड के क्रिकेट जगत में खुशी का माहौल है।

बाएं हाथ से बल्लेबाजी और दाएं हाथ से गेंदबाजीः कुमारी पलक बाएं हाथ की बल्लेबाज और दाएं हाथ की गेंदबाज हैं। मूल रूप से देवघर से जुड़ी पलक रांची जिला क्रिकेट संघ (आरडीसीए) और बूटी क्रिकेट क्लब का प्रतिनिधित्व करती हैं। वह झारखंड की अंडर-15 टीम की कप्तानी भी कर चुकी हैं। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन का मिला इनामः घरेलू क्रिकेट में लगातार बेहतर प्रदर्शन के दम पर पलक ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उनके इसी प्रदर्शन का नतीजा है कि उन्हें भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में जगह मिली है।



बेमौसम बारिश से किसानों की बढ़ी चिंता, खेतों में भीग रहे धान के बोझे

तैयार फसल की गुणवत्ता खराब होने और नुकसान का खतरा कटाई व दौनी का काम प्रभावित

रांची/हजारीबाग: बेमौसम बारिश ने हजारीबाग सहित झारखंड के अधिकांश जिलों के किसानों की चिंता बढ़ा दी है। मौसम में अचानक आए बदलाव और रुक-रुककर हो रही बारिश से खेतों में काटकर रखे गए धान के बोझे भीग रहे हैं। इससे तैयार फसल की गुणवत्ता प्रभावित होने और नुकसान की आशंका बढ़ गई है।

झारखंड के अधिकांश जिलों में शनिवार को दिनभर आसमान में बादल छाए रहे। इस दौरान कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश होती रही। इन दिनों खेतों में धान की कटाई जोरों पर है। ऐसे में अचानक हुई बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेरने की आशंका पैदा कर दी है।

किसानों ने बताया कि धान की कटाई के बाद बोझों को खेतों में बांधकर रखा गया था, ताकि मौसम अनुकूल होने पर उन्हें खलिहान तक पहुंचाया जा सके। लेकिन लगातार बादल छाए रहने और रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण धान सुखाने और दौनी करने में परेशानी हो रही है। खेतों में नमी बढ़ने से फसल समेटने का काम भी प्रभावित हो रहा है।

किसानों को आशंका है कि यदि बारिश का सिलसिला जारी रहा तो तैयार धान की गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। उनका कहना है कि खेती में खाद, बीज, जुताई और मजदूरी समेत अन्य संसाधनों पर पहले ही काफी खर्च हो चुका है।

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (गव्य प्रभाग)
जिला गव्य विकास कार्यालय, सिमडेगा
Email - dairydevelopmentsimdega@gmail.com

:–आमसूचना :–

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजनान्तर्गत प्रगतिशील डेयरी कृषकों को सहायता योजना के तहत् मिल्कींग मशीन एवं पनीर एवं खोआ मेकिंग यूनिट की स्थापना हेतु वित्तीय वर्ष 2020–21 से 2025–26 तक वैसे सभी लाभुक जिनके बैंक खाते में योजनावार सरकारी अनुदान राशि DBT की गई है। वैसे लाभुकों को सूचित किया जाता है कि वे अपना लाभुक अशंदान राशि संबंधित बैंक खाता में जमा कि गई हैं या वैसे लाभुक जिन के द्वारा पूर्व में लाभुक अंशदान जमा नहीं की गई हैं वे अपने बैंक खाता में लाभुक अंशदान की राशि जमाकर,जमापर्ची एवं बैंक खाता की अद्यतन पासबुक की छायाप्रति के साथ अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में कार्य अवधि में जमा करें। ताकि मिल्कींग मशीन तथा पनीर एवं खोआ मेंकिग युनिट क्रय की कार्रवाई की जा सके। विशेष जानकारी के लिए कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी,
सिमडेगा

PR 394334 Simdega(26-27) D"



जॉब इंटरव्यू के दौरान इन बातों का रखें खास ख्याल

इंटरव्यू का पहला इंप्रेशन अगर आपका अच्छा गया है तो यह आपको आसानी से नौकरी दिला सकता है। कई बार हम बड़ी कंपनी में इंटरव्यू के दौरान कुछ गलतियां कर देते हैं। ऐसे में अच्छी नौकरी हमारे हाथ से निकल जाती है। अगर आप भी जॉब के इंटरव्यू की तैयारी में लगे है तो इंटरव्यू को दौरान कुछ बातों का रखें खास ख्याल।

इंटरव्यू में केवल आपकी शिक्षा ही नहीं बल्कि आपके बोलचाल का तरीका भी देखा जाता है। ऐसे में कई बार आप सभी सवालों का सही जवाब देते है इसके बावजूद भी आपकी नौकरी नही लगती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कई बार सामने वाला आपके काम के साथ ही आपकी बॉडी लैंग्वेज भी नोटिस करता है। ऐसे में आपको इंटरव्यू के समय इन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए।

कपड़ो का रखें खास ख्याल

अगर आप जॉब इंटरव्यू के लिए जा रही हैं तो आपको कपड़ो का खास ख्याल रखना चाहिए। कोशिश करें की आप फॉर्मल कपड़े ही पहने। ऐसा करने से भी आपका फर्स्ट इम्प्रेशन काफी अच्छा जाएंगा। ज्यादा तड़क-भड़क रंग के कपड़ों को इंटरव्यू में पहनने से हमेशा ही बचना चाहिए।

बॉडी लैंग्वेज का रखें खास ख्याल

बॉडी लैंग्वेज यानी हाव-भाव एक तरह की शारीरिक भाषा है। जो व्यक्ति आपका इंटरव्यू ले रहा है वह आपके बॉडी लैंग्वेज पर खास ध्यान देता है। कई कंपनियां स्किल्स के साथ ही कैंडिडेट के उठने-बैठने के अंदाज और बातचीत करने के तरीके को ध्यान में रखते हुए भी उन्हें शॉर्टलिस्ट करती हैं। ऐसे में आपको इसका खास ख्याल रखना है।

आई कॉन्टैक्ट से बनेगा खेल

आपसे जब किसी भी तरीके का सवाल पूछा जाएं तो आई कॉन्टैक्ट करके जवाब दें। ऐसा करने से भी आपको जॉब आसानी से मिल जाएंगी। अगर आप इधर-उधर देखते हुए जवाब देंगे तो इससे आपके कॉन्फिडेंस पर सवाल उठ सकता है।



ग्रेजुएशन के बाद किस कॉलेज से करें पीजीडीएम कोर्स?

ग्रेजुएशन के बाद अगर पीजीडीएम कोर्स करना चाहते हैं तो यहां बताए गए 7 प्वाइंट्स की मदद से बेस्ट ऑप्शन का चुनाव कर सकते हैं। अच्छे कॉलेज का चुनाव करते हुए कुछ खास बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि पीजीडीएम के लिए सही संस्थान का चुनाव कर सकें।

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) दो साल का बिजनेस मैनेजमेंट प्रोग्राम है। यह कोर्स बिजनेस के कई पहलुओं को कवर करता है। इसमें फाइनेंस, ह्यूमन रिसोर्स, मार्केटिंग, एआई और डेटा साइंस, बिजनेस एनालिटिक्स और ऑपरेशंस मैनेजमेंट शामिल हैं। पीजीडीएम छात्रों को जरूरी मैनेजमेंट स्किल्स और ज्ञान से लैस करता है। यह कोर्स इंडस्ट्री की जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है लेकिन इसके लिए सही पीजीडीएम कॉलेज का चुनाव बहुत जरूरी है।

कुल मिलाकर, पीजीडीएम कोर्स उन लोगों के लिए जरूरी हैं जो अपनी नौकरी में आगे बढ़कर अपने बिजनेस ज्ञान में सुधार करना चाहते हैं। एक प्रतिष्ठित कॉलेज में एक सामान्य कॉलेज की तुलना में अनुभवी फैकल्टी और अच्छी शिक्षा मिलती है। अच्छे पीजीएम कॉलेज के लिए बेस्ट कॉलेज कैसे चुनें, जानिए डॉ ए.एस. सुरेश अय्यर, निदेशक, आदित्य स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एएसबीएम) से।

रैंकिंग और मान्यता

पीजीडीएम के लिए सबसे जरूरी चीजों में से एक उन कॉलेजों की तलाश करना है जिन्हें संबंधित बॉडी द्वारा मान्यता प्राप्त है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि छात्रों को अच्छी गुणवत्ता वाली सही शिक्षा मिले। प्रसिद्ध जगह से मान्यता को गुणवत्ता मानदंड माना जाता है। रैंकिंग पर विचार करना एक और महत्वपूर्ण बात है, क्योंकि यह एक प्रोग्राम की गुणवत्ता को भी निर्धारित करता है। यह स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद आपकी नौकरी की संभावनाओं को बढ़ा सकता है।

पाठ्यक्रम या सिलेबस

यह सुनिश्चित करने के लिए पाठ्यक्रम प्रस्तावों और विशेषज्ञताओं की समीक्षा करना बहुत जरूरी है कि वे किसी के करियर के लक्ष्यों के अनुसार हों। एक असाधारण पीजीडीएम कार्यक्रम को उसके इंडस्ट्री ओरिएंटिड पाठ्यक्रम के अनुसार होना चाहिए। आपको ऐसे कॉलेजों और प्रोग्रामों की तलाश करनी चाहिए जो प्रोजेक्ट, इंटर्नशिप और केस स्टडी के माध्यम से व्यावहारिक यानी प्रैक्टिकल शिक्षा को शामिल करते हैं। वास्तविक दुनिया की स्थितियों में सैद्धांतिक या थ्योरी ज्ञान को लागू करने के लिए ये अनुभव महत्वपूर्ण हैं।

आर्थिक मदद

छात्रों की ओर से चुने पीजीडीएम कॉलेज के आर्थिक फायदों पर विचार करना जरूरी है। छात्रों को ट्यूशन फीस का विश्लेषण करना चाहिए, कॉलेज में उपलब्ध छात्रवृत्ति यानी स्कॉलरशिप की जांच करनी चाहिए और ग्रेजुएशन स्तर की पढ़ाई के बाद संभावित वेतन के संबंध में निवेश के लाभ पर भी विचार करना चाहिए। कोर्स की लागत को समझना भी जरूरी है, क्योंकि यह संस्थानों के अनुसार अलग-अलग होती है। छात्र यह सुनिश्चित करके भविष्य में आर्थिक तनाव से बच सकते हैं कि लागत और अपने बजट के अनुसार कॉलेज चुन सकते हैं।

प्लेसमेंट रिकॉर्ड

सही पीजीडीएम कॉलेज चुनने के लिए, कॉलेज के प्लेसमेंट आंकड़ों और वहां से भर्ती करने वाली कंपनियों को जांचना भी जरूरी है। एक मजबूत और योग्य प्लेसमेंट रिकॉर्ड छात्रों को सफल भविष्य के लिए तैयार करने में पाठ्यक्रम की प्रभावशीलता और गुणवत्ता को दिखाता है। इसके अलावा निवेश पर लाभ की गणना करने के साथ-साथ, छात्रों को आने वाली कंपनियों और उनकी ओर से प्रतिनिधित्व करने वाली इंडस्ट्री को भी ध्यान में रखना चाहिए। इससे छात्रों को एक व्यापक तस्वीर मिलेगी कि वे वास्तव में क्या कर रहे हैं।

पूर्व छात्रों से करें बात

सही पीजीडीएम कॉलेज चुनने का एक अनिवार्य हिस्सा पूर्व छात्रों का ग्रुप भी हो सकता है। यह देखने के लिए कि पिछले ग्रेजुएट अपने करियर में कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं, पूर्व छात्रों के परिणामों पर रिसर्च करने से छात्रों को सही रास्ता चुनने में मदद मिल सकती है। पूर्व छात्रों को खोजना या लिंक्डइन पर उनसे जुड़ना आपको बेहतर कॉलेज खोजने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, एक सक्रिय एलुमनाई नेटवर्क सलाह और मदद करके आपके करियर के रास्ते में आपकी मदद कर सकता है।

बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर

छात्रों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और संसाधनों का मूल्यांकन करने के लिए कैंपस का दौरा करना या ऑनलाइन संसाधनों की जाँच करना महत्वपूर्ण है। बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर, कक्षाओं, लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब आदि का आकलन करने से छात्रों को कॉलेज के लिए बेहतर निर्णय लेने में मदद मिल सकती है। जरूरी सुविधाओं वाला एक परिसर एक छात्र की शिक्षा में सुधार कर सकता है और एक ऐसा वातावरण प्रदान कर सकता है जो उनके विकास के अनुकूल हो।

कॉलेज की जगह

छात्रों को संस्थान या कॉलेज की जगह और इसकी पहुंच का मूल्यांकन करना चाहिए। ऐसे क्षेत्र में कॉलेज चुनना आवश्यक है जो इंडस्ट्री केंद्रों और नेटवर्किंग के अवसरों तक पहुंच देता हो। एक आरामदायक और उचित सीखने के अनुभव की गारंटी के लिए, आने-जाने के समय, रहने की संभावनाओं और इंडस्ट्री केंद्रों से नजदीकी का ध्यान रखें।





इंस्टाग्राम के जरिए बनाएं म्यूजिक में करियर

पहले के समय में लोग सिर्फ इंजीनियर और डॉक्टर के करियर को ही सबसे अच्छा प्रोफेशन मानते थे। पर, बदलते वक्त ने लोगों के नैरेटिव को भी बदल दिया है। आज के समय में कोई भी अपने पैशन और टैलेंट के बदौलत भी ऊंचाइयों को छू सकता है। साथ ही, इससे अच्छी कमाई भी कर सकता है। क्योंकि आज के दौर में लोगों को कुछ नया और हटके पसंद आता है।

आज के समय में अगर आपके अंदर कोई स्किल है, तो आप उसे अपना प्रोफेशन बना सकती हैं। ऐसे में आप यदि म्यूजिक में गहरी रुचि रखते हैं और आपको उसकी जानकारी भी है, तो आप इसके माध्यम से भी अच्छी कमाई कर सकते हैं। हालांकि, म्यूजिक भी इतना आसान नहीं होता है। इस क्षेत्र में केवल वही करियर बना सकते हैं, जिसके अंदर क्रिएटिविटी हो और जिसमें म्यूजिक के प्रति जुनून हो। पर, बहुत से लोग टैलेंट होने के बावजूद भी कभी-कभी पीछे रह जाते हैं। तो चलिए हम आज आपको बिना किसी एक्सपीरियंस के म्यूजिक में करियर बनाने की टिप्स बताते हैं।

म्यूजिक में करियर कैसे बनाएं?

आजकल ऑनलाइन और सोशल मीडिया की वजह से म्यूजिक इंडस्ट्री में काफी बदलाव आया है। लोग सोशल मीडिया के माध्यम से भी अपने टैलेंट को दिखा रहे हैं और उन्हें खूब पसंद भी किया जा रहा है। इस तरह लोग काफी कुछ अपने दम पर कर पा रहे हैं। पहले के समय में यह सुविधा नहीं होती थी, तो बहुत कम लोग ही अपने पैशन को चुन पाते थे।

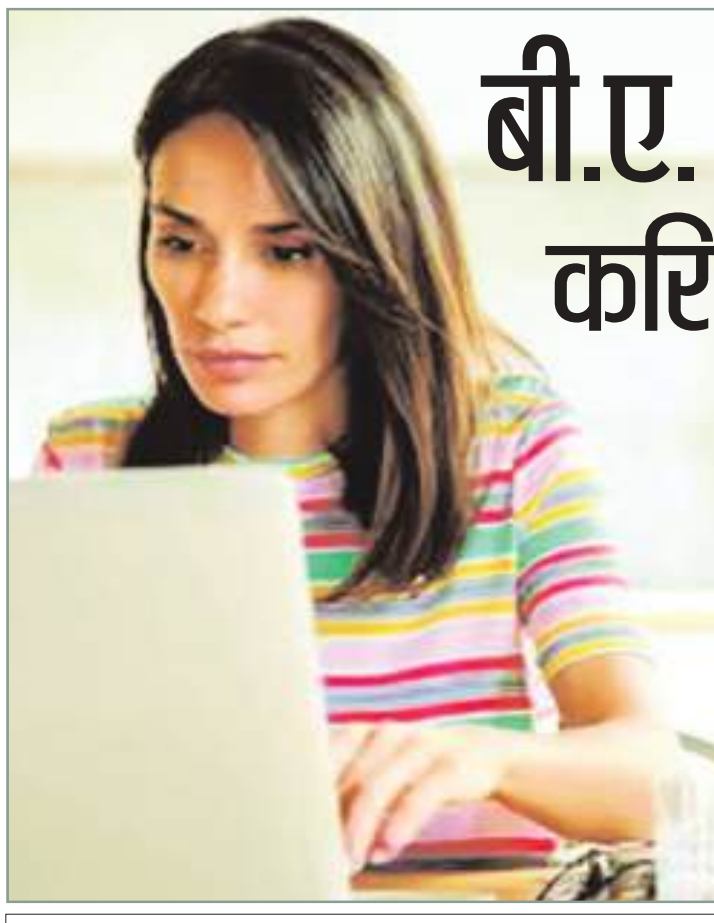
आप अगर म्यूजिक में दिलचस्पी रखते हैं और आपके अंदर कुछ अलग करने का हुनर है, तो आप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या इंस्टाग्राम पर रील्स बनाकर इसे शेयर कर सकते हैं। यदि आपकी क्रिएटिविटी लोगों को पसंद आई, तो ऐसा करने से धीरे-धीरे आपकी फैन फॉलोइंग बढ़ सकती है। इसके बाद आप फेमस हो सकते हैं और आपकी अर्निंग भी शुरू हो सकती है। हालांकि, इसके लिए आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। आप चाहें तो वीडियो शूट करने के लिए अपने घर में भी छोटा सा शूटिंग कमरा बना सकती हैं। इसके अलावा, आप कहीं अच्छे स्पॉट पर भी शूट कर सकते हैं।

यूट्यूब से कर सकते हैं अच्छी कमाई

अगर आपके पास म्यूजिक का कोई एक्सपीरियंस नहीं है, लेकिन आपके अंदर इसके प्रति जुनून है, तो आप अपने टैलेंट को दुनिया के सामने दिखाने के लिए यूट्यूब का सहारा ले सकते हैं। इसपर आप अपनी लॉन्ग या शॉर्ट वीडियो बनाकर अपलोड कर सकते हैं। शुरुआत में तो धैर्य रखना पड़ेगा। पर, इसी तरह यदि आप सही समय और ट्रेंड को फॉलो करते हुए लगातार वीडियो डालेंगे तो आपके पोस्ट की रीच बढ़ सकती है। यही नहीं, आप इसके माध्यम से भी एक अच्छे कलाकार बन सकते हैं।

म्यूजिक से संबंधित कोर्स कर बनाएं करियर

अगर आप म्यूजिक में अपना करियर देखते हैं, तो आप इस फिल्ड में स्पेशल कोर्स करके भी प्लेसमेंट के जरिए आगे का रास्ता चुन सकते हैं। इसके लिए भारत में कई सारे कॉलेज और यूनिवर्सिटी उपलब्ध है, जो संगीत से ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स करने की सुविधा देते हैं।



बी.ए. करने के बाद इन करियर फील्ड में करें ट्राई

अगर अपने बीए की डिग्री हासिल की है और अब आपको यह समझ में नहीं आ रहा है कि आप अपने करियर को आगे किस तरह बढ़ाएं तो आप इन फील्ड में ट्राई कर सकते हैं।

किसी भी छात्र के लिए उसके करियर ऑप्शन का चयन करना एक बेहद ही महत्वपूर्ण निर्णय है। एक बार जब छात्र अपनी ग्रेजुएशन कंप्लीट कर लेते हैं तो वे अपने करियर को एक शेप देना चाहते हैं। आर्टर्स में बैचलर डिग्री यानी बीए एक ऐसा कोर्स है, जिसे अधिकतर बच्चे चुनते हैं।

आर्टर्स स्ट्रीम के बच्चों के लिए बीए करना एक बेहतर ऑप्शन माना जाता है। हालांकि, इसके बाद आप पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। इसमें आप इंग्लिश से लेकर पॉलिटिक्स और मनोविज्ञान तक किसी खास विषय को चुनते हैं। अमूमन यह माना जाता है कि बीए करने के बाद करियर ऑप्शन सीमित हो जाते हैं। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। आप बीए करने के बाद कई अलग-अलग फील्ड में अपना करियर देख सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि बीए करने के बाद आप किन फील्ड में करियर बना सकते हैं-

जर्नलिज्म में आजमाएं हाथ

बीए करने के बाद एडवरटाइजिंग या जर्नलिज्म की फील्ड में करियर के अवसर देखे जा सकते हैं। आप बीए करने के बाद जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन से जुड़ा कोर्स कर सकते हैं। इसके बाद आप टीवी से लेकर रेडियो, अखबार व ऑनलाइन वेबसाइट्स आदि के लिए काम कर सकते हैं। ऑनलाइन स्ट्रीमिंग से लेकर डिजिटल जर्नलिज्म, पॉडकास्ट, ब्लॉग और एड आदि सभी इस फील्ड से जुड़े हुए हैं।

सिविल सर्विसेज की करें तैयारी

अगर आप चाहें तो बीए करने के बाद सिविल सर्विसेज एग्जाम जैसे यूपीएससी आदि की तैयारी कर सकते हैं। इसके अलावा, स्टेट लेवल एग्जाम का हिस्सा बनें। अगर आप इसे क्लीयर कर पाते हैं तो आपको बिना किसी परेशानी के आसानी से गवर्नमेंट जॉब मिल जाती है और गवर्नमेंट सर्विसेज का हिस्सा बन जाते हैं।

करें लॉ

अगर आप बीए की डिग्री हासिल करने के बाद अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहते हैं, तो आप बैचलर ऑफ लॉ या एलएलबी चुन सकते हैं। इस तीन साल के कोर्स के बाद आपको लीगल रीजनिंग से लेकर एनवायरनमेंटल लॉ, इंश्योरेंस लॉ आदि की गहन जानकारी हो जाती है। आप चाहें तो इसके बाद एलएलएम भी कर सकते हैं। इसके बाद आप लॉ प्रैक्टिस शुरू कर सकते हैं।

करें प्रोफेशनल राइटिंग

बीए करने के बाद आप प्रोफेशनल राइटिंग के क्षेत्र में भी हाथ आजमा सकते हैं। आमतौर पर, यह एक क्रिएटिव फील्ड है, जिसमें आप अपने विचारों को बेहद ही खास तरह से पेश करते हैं। यदि आपके पास साहित्य में डिग्री है, तो आप निश्चित रूप से क्रिएटिव राइटिंग की फील्ड में काम कर सकते हैं। आप स्क्रिप्ट, से लेकर भाषण, स्क्रीनप्ले, कविताएं आदि लिख सकते हैं। अगर आपका लेखन अच्छा है तो आप प्रोफेशनल राइटिंग करके अच्छी खासी कमाई कर सकती है।

करें बिजनेस मैनेजमेंट

बीए करने के बाद आप बिजनेस मैनेजमेंट में डिप्लोमा कर सकते हैं। यह एक साल का शॉर्ट टर्म कोर्स है, जिसमें छात्रों को अलग-अलग बिजनेस एक्टिविटीज और मैनेजमेंट से जुड़े सिद्धांतों का ज्ञान मिलता है। इसके बाद आप कई अलग-अलग आर्गेनाइजेशन के साथ मिलकर काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस भी सेटअप कर सकते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

संविधान की रक्षा और लोकतंत्र की मजबूती के लिए 26 नवंबर को रांची में निकलेगा संविधान रक्षा मार्च

कांग्रेस ने सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की

संवाददाता

साहिबगंज : भारतीय संविधान की रक्षा, लोकतंत्र की मजबूती और नागरिकों के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा के संकल्प के साथ 26 नवंबर को रांची में राज्यस्तरीय विशाल संविधान रक्षा मार्च आयोजित किया जाएगा। मार्च की सफलता सुनिश्चित करने को लेकर रविवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित की गई।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निदेर्शानुसार झारखंड प्रदेश द्वारा नामित प्रदेश



प्रवक्ता निताय सरकार ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक न्याय, समानता और प्रत्येक नागरिक के सम्मान एवं अधिकारों की गारंटी है। उन्होंने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक व्यवस्था में भागीदारी का अधिकार प्रदान करता है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में संवैधानिक मूल्यों को कमजोर करने के प्रयास चिंताजनक हैं। ऐसे समय में संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होकर आवाज उठाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करती रही है और आगे भी करती रहेगी। प्रेस वार्ता के माध्यम से सभी संघर्षशील संगठनों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से अपील की गई कि वे अधिक से अधिक संख्या में 26 नवंबर को रांची में आयोजित संविधान रक्षा मार्च में शामिल हों। यह मार्च संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के प्रति सामूहिक संकल्प का प्रतीक होगा।

इस मार्च के माध्यम से देश और प्रदेश की जनता को एकजुट होकर संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करने का संदेश दिया जाएगा। प्रेस वार्ता में कांग्रेस ओबीसी विभाग के जिला अध्यक्ष अजय कुमार यादव, प्रदेश महासचिव अश्वनी आनंद, सेवा दल के जिला अध्यक्ष अल्ताफ हुसैन, अनंत लाल भगत सहित अन्य लोग मौजूद थे।

न्यूज IN ब्रीफ

राजमहल गोलीकांड का खुलासा
तीन आरोपी गिरफ्तार, दो देशी कट्टा और तीन कारतूस बरामद



साहिबगंज: राजमहल थाना क्षेत्र के मंगलहाट स्थित टिक्कर टोला में 19 नवंबर को हुई गोलीबारी की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त दो देशी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इसकी जानकारी राजमहल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विमलेश कुमार त्रिपाठी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। उन्होंने बताया कि 19 नवंबर की शाम राजमहल थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि मंगलहाट के टिक्कर टोला निवासी गौरी कुमारी, पिता केदार मंडल, गोली लगने से घायल हो गई हैं। सूचना मिलते ही वरीय पुलिस पदाधिकारियों को अवगत कराया गया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। राजमहल थाना कांड संख्या 422/26, दिनांक 19 नवंबर 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109, 1/3, 5 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 27 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। पुलिस ने छापेमारी कर घटना में संलिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनकी पहचान मलाही टोला, मंगलहाट निवासी किशन मंडल, पिता सुरेश मंडल, मनीष मंडल, पिता निधिर मंडल तथा मोनू प्रमाणिक, पिता लखी प्रमाणिक के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर दो देशी कट्टा एवं तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए। हथियारों की बरामदगी के संबंध में राजमहल थाना कांड संख्या 424/26, दिनांक 21 नवंबर 2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-ई)/26/35 के अंतर्गत अलग से प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपियों को 21 नवंबर को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की गई। मामले में आगे का अनुसंधान जारी है। छापेमारी दल में ये पुलिस पदाधिकारी थे शामिल: छापेमारी दल में पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन, तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय, तीनपहाड़ थाना प्रभारी गौरव भगत, राजमहल थाना प्रभारी पवन कुमार, पुलिस पदाधिकारी अनिल कुमार, रविशंकर झा, नंद कुमार यादव सहित राजमहल थाना के रिजर्व गार्ड शामिल थे।

सेंट जेवियर स्कूल में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम, विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ली शपथ



साहिबगंज: झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत उपायुक्त सह जिला सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष दीपक कुमार दूबे के निदेर्शानुसार सेंट जेवियर स्कूल, साहिबगंज में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा और यातायात के बुनियादी नियमों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। साथ ही यातायात नियमों का पालन करने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प दिलाया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना और चारपहिया वाहन में यात्रा के दौरान सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य है। इसके अलावा सड़क पर चलते समय सावधानी बरतने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा यातायात संकेतों एवं नियमों का अनुपालन करने के महत्व को समझाया गया। कार्यक्रम में सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों और उनसे बचाव के व्यावहारिक उपायों की भी जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि यातायात नियमों की अनदेखी न केवल उनके लिए, बल्कि अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। इस दौरान गुड सेमेरिटन यानी नेक नागरिक की अवधारणा की जानकारी देते हुए बताया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन आवर के दौरान त्वरित सहायता उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। आम नागरिकों को बिना किसी भय या संकोच के दुर्घटना पीड़ितों की मदद के लिए आगे आने को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के माध्यम से उनके परिवार और समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना था। मौके पर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, सेंट जेवियर स्कूल के प्राचार्य फादर अरोकिया जूलियन एसजे, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पाराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित विद्यालय के शिक्षक एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

बेटियों को माहवारी स्वच्छता, बाल अधिकार और आत्मरक्षा के प्रति किया जागरूक



साहिबगंज: बेटियों को सुरक्षित, शिक्षित, स्वस्थ और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत राजमहल प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय जामनगर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास के निदेर्शानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा और सशक्तिकरण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संरक्षण पदाधिकारी चंदा कुमारी ने बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, बाल विवाह, बाल श्रम और यौन शोषण से बचाव के बारे में बताया। साथ ही पॉक्सो एक्ट, किशोर न्याय अधिनियम और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को आत्मरक्षा, आत्मनिर्भरता अपनाने और नशे के दुष्प्रभावों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। माहवारी स्वच्छता और स्वास्थ्य जागरूकता पर विशेष जोर देते हुए छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता प्रबंधन की जानकारी दी गई। उन्हें बिना किसी झिझक के इस विषय पर बात करने और स्वच्छता अपनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर छात्राओं के बीच सेनेटरी पैड का वितरण भी किया गया। इसके अलावा 'एक पौधा बेटी के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कर बेटियों के सम्मान और उज्ज्वल भविष्य का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मोहम्मद खालिद एवं मंथन संस्था की अंशु मालाकार का सराहनीय योगदान रहा।

रेलवे साइडिंग में श्रमिक सुविधाओं की मांग, 23 नवंबर को मालदा डीआरएम कार्यालय के समक्ष धरना

मजदूर संघ ने पहचान पत्र, पेयजल, शौचालय और प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध कराने की उठाई मांग

संवाददाता

साहिबगंज : जिले के विभिन्न रेलवे स्टेशनों की रैक साइडिंग में काम करने वाले मजदूरों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग को लेकर झारखंड मजदूर संघ की प्रजातांत्रिक केंद्र कमेटी के नेतृत्व में 23 नवंबर 2026 को मालदा स्थित डीआरएम कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इसकी जानकारी संघ के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में संघ की ओर से 19 नवंबर को मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा को लिखित आवेदन देकर कार्यक्रम की सूचना दी गई है। आवेदन के अनुसार, 23 नवंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक धरना-प्रदर्शन किया



जाएगा। संघ का आरोप है कि साहिबगंज जिले के मिजाचौकी, करमटोला, सकरीगली, तालझारी, तीनपहाड़, बाकुड़ी एवं बरहरवा सहित विभिन्न रेलवे स्टेशनों की रैक साइडिंग में कार्यरत लोडिंग मजदूरों को रेलवे प्रशासन की ओर से आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। यहां तक कि श्रमिकों को पहचान पत्र भी नहीं दिया गया है।

संघ ने विशेष रूप से बाकुड़ी रेलवे स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज का विस्तार प्लेटफॉर्म संख्या दो से पांच नंबर साइडिंग तक करने, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, पानी का छिड़काव तथा प्लेटफॉर्म को ऊंचा करने सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। आवेदन में रेलवे प्रशासन से श्रमिकों की समस्याओं का समाधान करने के साथ धरना-प्रदर्शन के दौरान विधि-व्यवस्था, सुरक्षा एवं आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है। आवेदन की प्रतिलिपि राजमहल एवं मालदा के अनुमंडल पदाधिकारियों को भी भेजी गई है।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग लेकर 400 किलोमीटर पैदल चलकर पटना पहुंचे उधवा के दो युवा

खान सर से मुलाकात कर साहिबगंज में बेहतर स्कूल और गुणवत्तापूर्ण कोचिंग संस्थान खोलने की रखी मांग



संवाददाता

साहिबगंज/उधवा: जिले की शिक्षा व्यवस्था में सुधार और स्थानीय बच्चों के बेहतर भविष्य का सपना लेकर उधवा प्रखंड के दो युवा शौकत अली और तौहीद शेख करीब 400 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर पटना पहुंचे। वहां उन्होंने चर्चित शिक्षक खान सर से मुलाकात कर साहिबगंज में बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं विकसित करने की मांग उठाई।

जानकारी के अनुसार, उधवा प्रखंड की पलाशगाछी पंचायत के रहने वाले दोनों युवा 10 नवंबर को हाथों में तिरंगा लेकर अपने घर से पैदल पटना के लिए रवाना हुए थे। लंबी दूरी तय करने के दौरान उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। लगातार पैदल चलने के कारण उनके पैरों में सूजन आ गई और छाले भी पड़ गए, लेकिन शिक्षा के प्रति जुनून और मजबूत इरादों के आगे उनकी परेशानियां कम पड़ गईं। आखिरकार दोनों ने महज 10 दिनों में अपनी यात्रा पूरी कर ली।

शुक्रवार को दोनों युवाओं ने प्रसिद्ध शिक्षक खान सर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने साहिबगंज जिले में बेहतर स्कूलों, गुणवत्तापूर्ण कोचिंग संस्थानों और मजबूत शैक्षणिक व्यवस्था विकसित करने की जरूरत पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के लिए दूसरे शहरों का रुख नहीं करना पड़े, बल्कि उन्हें अपने ही जिले में अच्छी शैक्षणिक सुविधाएं मिलनी चाहिए।

सोशल मीडिया पर भी उठाते हैं जनहित के मुद्दे:बताया जाता है कि शौकत अली पलाशगाछी पंचायत के निवासी हैं। वे एससीपी संचालक होने के साथ-साथ समाजसेवा के कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से वे सड़क, शिक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े जनहित के मुद्दों को लगातार उठाते रहे हैं। हाथों में तिरंगा और दिल में शिक्षा सुधार का संकल्प लेकर निकले दोनों युवाओं की 400 किलोमीटर की यह पैदल यात्रा क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

मुफ्फसिल पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा

साहिबगंज: मुफ्फसिल थाना पुलिस ने विभिन्न मामलों में कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस सुरक्षा के बीच न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में छोटी कुदरजन्ना निवासी शेख कलीम, उसके पुत्र मोहम्मद साजन और मोहम्मद मुहताज तथा मोहम्मद दिलावर शामिल हैं। इनमें कुछ आरोपियों के विरुद्ध पहले से भी वारंट लंबित था। इसके अलावा लालबथानी तीनधारिया टोला निवासी महेश रविदास को स्थायी वारंट के आधार पर गिरफ्तार किया गया। वहीं, लालबथानी दियारा निवासी कल्लू मियां उर्फ नूर इस्लाम को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया।पुलिस ने सभी छह आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार करने के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पुलिस सुरक्षा के बीच न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

उधवा की तीन पंचायतों में 119 परिवारों को मिला पक्के मकान का तोहफा

पश्चिमी उधवा, पश्चिमी उधवा दियारा और सुतियारपाड़ा पंचायत में गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित



संवाददाता

साहिबगंज/उधवा: पक्के मकान का सपना हर गरीब परिवार के लिए किसी बड़े अरमान से कम नहीं होता। वर्षों से अपने आशियाने की उम्मीद लगाए बैठे परिवारों का सपना अब साकार हो रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को उधवा प्रखंड की तीन पंचायतों में ग्रामीण आवास योजना के तहत नवनिर्मित मकानों में गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 119 लाभुक परिवारों को उनके नए घर में विधिवत गृह प्रवेश कराया गया। नए आशियाने में कदम रखते ही लाभुकों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

जानकारी के अनुसार, प्रखंड की पश्चिमी उधवा, पश्चिमी उधवा दियारा और सुतियारपाड़ा पंचायत में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधियों एवं संबंधित कर्मियों की मौजूदगी में लाभुकों को नए आवास की चाबी सौंपी गई और विधिवत गृह प्रवेश कराया गया। प्रखंड समन्वयक आवास संदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि तीनों पंचायतों में कुल 119 लाभुकों को नवनिर्मित आवासों में गृह प्रवेश कराया गया। इनमें पश्चिमी उधवा पंचायत के 56, पश्चिमी उधवा दियारा पंचायत के 51 और सुतियारपाड़ा पंचायत के 12 लाभुक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीण आवास योजना का उद्देश्य जरूरतमंद एवं पात्र परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है। योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को सुरक्षित और बेहतर आवास की सुविधा मिल रही है।

कार्यक्रम के दौरान लाभुकों ने नए घर मिलने पर खुशी जाहिर की। मौके पर आवास प्रभारी शमशाद अली, महताब आलम, विनोद कुमार, मुखिया जियाउल हक उर्फ शास्त्री सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं संबंधित कर्मी मौजूद थे।

जमीन विवाद में मारपीट मामले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पांच आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहेट थाना क्षेत्र अंतर्गत सिमलडाब गांव में जमीन विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में साहिबगंज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी बरहरवा एसडीपीओ नितिन खंडेवाला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी।

उन्होंने बताया कि 17 नवंबर 2026 को दोपहर करीब एक बजे सिमलडाब गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। इस संबंध में आवेदक मोहन सोरेन के आवेदन के आधार पर बरहेट थाना में कांड संख्या 139/26, दिनांक 19 नवंबर 2026 को भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत पांच नामजद और दस अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बरहेट अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के



नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि मामले से जुड़े आरोपी दोबारा सिमलडाब गांव पहुंच रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में शिवम कुमार (26 वर्ष), निवासी गंगटा चौक, थाना नगर, जिला गोड्डा; अनिल कुमार मिश्रा (32 वर्ष), निवासी चकबेरी, थाना मुफस्सिल, जिला गोड्डा; पीयूष कुमार (20 वर्ष), निवासी कॉलेज रोड, ग्रीन होटल के पास; ललन कुमार सिंह, निवासी दियारा, थाना मुफस्सिल, जिला गोड्डा तथा सुधांशु रंजन, निवासी ब्लॉक फील्ड, थाना नगर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। घटना में शामिल लोगों के विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। छापेमारी दल में ये थे शामिल: छापेमारी दल में बरहेट एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल, बरहेट थाना प्रभारी चंदन कुमार मेधा, पुलिस अवर निरीक्षक शंभू शंकर सिंह, सहायक अवर निरीक्षक विक्रम कुमार, सहायक अवर निरीक्षक जितेंद्र मरांडी सहित बरहेट थाना के सशस्त्र बल एवं चौकीदार शामिल थे।



'प्रताप' के मेकर्स ने विशाल ददलानी की आवाज़ में रिलीज़ किया

दिल छू लेने वाला गाना 'मिलके रहेंगे'

अमित साध और ईशा धर्मेंद्र देओल स्टारर फिल्म 'प्रताप' के मेकर्स ने फिल्म का नया गाना 'मिलके रहेंगे' रिलीज़ कर दिया है। इस खूबसूरत गाने को मशहूर गायक विशाल ददलानी ने अपनी आवाज़ दी है। यह भावुक गाना प्यार, एक-दूसरे से दूर होने के दर्द और फिर से मिलने की उम्मीद को बखूबी बयां करता है। यह उन रिश्तों की खूबसूरती को दर्शाता है, जो दूरियों के बावजूद कभी कमजोर नहीं पड़ते। रोहन-रोहन द्वारा कंपोज़ किए गए इस गाने के बोल रोहन गोखले ने लिखे हैं। यह गाना फिल्म की भावनात्मक कहानी को सामने लाता है और रिश्तों की मजबूती के साथ-साथ उन वादों को भी खूबसूरती से दर्शाता है, जो अपनों को एक-दूसरे से जोड़े रखते हैं। गाने को लेकर अमित साध ने कहा, ''मिलके रहेंगे' प्यार, प्रतिबद्धता और उन वादों के खूबसूरत एहसास को बयां करता है, जो हम अपने खास लोगों से करते हैं। यह विश्वास कि दो दिल कभी सच में एक-दूसरे से अलग नहीं हो सकते, एक ऐसा एहसास है जिससे हर कोई जुड़ाव महसूस कर सकता है। इस गाने का 'प्रताप' की कहानी से एक खास भावनात्मक जुड़ाव है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी इसकी भावनाओं को महसूस कर पाएंगे।'

सभी प्रमुख म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध

'मिलके रहेंगे' 11 नवंबर 2026 को रिलीज़ हो चुका है और अब यह यूवी म्युज़िक के यूट्यूब चैनल के साथ-साथ सभी प्रमुख म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। सचिन सराफ द्वारा लिखित और निर्देशित 'प्रताप' की कहानी प्रताप रानाडे (अमित साध) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक ताकतवर एनकाउंटर स्पेशलिस्ट है। हालांकि, उसकी जिंदगी में तब अप्रत्याशित मोड़ आता है, जब उसे खुद सलाखों के पीछे जाना पड़ता है। फिल्म में अमित साध के साथ ईशा धर्मेंद्र देओल, सीमा बिस्वास, तिग्मांशु धूलिया और मिलिंद गुणाजी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। प्रदीप रंगवानी और यूवी फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म कर्तव्य, वफादारी, फैसलों और जवाबदेही जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को सामने लाती है।

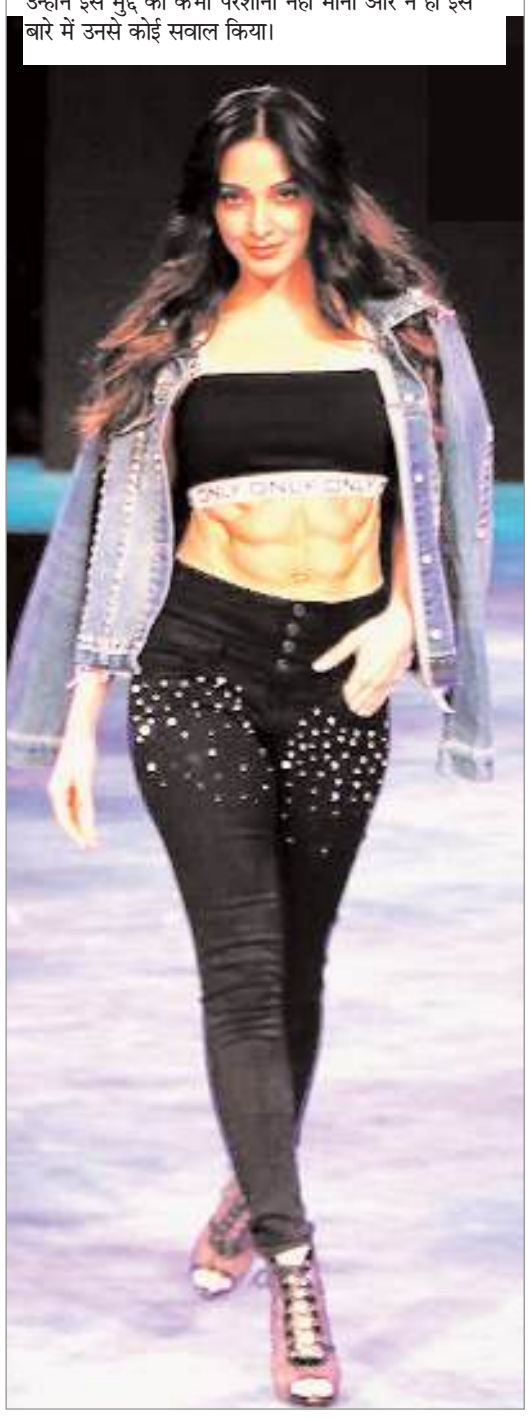
'टॉक्सिक' में इंटीमेट सीन देकर घिरी थीं अभिनेत्री, अब बताया कैसा था सिद्धार्थ का रिएक्शन

बॉलीवुड में शादी के बाद अभिनेत्रियों के ऑनस्क्रीन किरदारों और उनके फैसलों को लेकर अक्सर सवाल उठाए जाते रहे हैं। खासकर जब कोई अभिनेत्री शादी और मां बनने के बाद पर्दे पर बोल्ड या इंटीमेट सीन करती है, तो उसे सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है।

ऐसा ही कुछ कियारा आडवाणी के साथ भी हुआ, जब फिल्म 'टॉक्सिक' में यश के साथ उनके इंटीमेट सीन को लेकर उन्हें जमकर ट्रोल किया गया। अब अभिनेत्री ने इस पूरे विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी है और बताया है कि इस मामले पर पति सिद्धार्थ मल्होत्रा का क्या रिएक्शन था।

क्या बोलीं कियारा आडवाणी?

'कॉफी विद करण' सीजन 9 में सिद्धार्थ के साथ पहुंचीं कियारा ने बताया कि शादी और मां बनने के बाद फिल्म में उनके ऑनस्क्रीन चुनावों को लेकर इंटरनेट पर कई तरह के सवाल उठाए गए थे। कियारा ने साफ किया कि सोशल मीडिया पर हो रही बातों से सिद्धार्थ को कोई फर्क नहीं पड़ा। उन्होंने इस मुद्दे को कभी परेशानी नहीं माना और न ही इस बारे में उनसे कोई सवाल किया।





एक्शन अवतार में नजर आएंगे रजनी

विजय देवरकोंडा लेंगे अंग्रेजों से लोहा

इस हफ्ते ओटीटी पर रजनीकांत की नई फिल्म दस्तक देने वाली है। वहीं करीना कपूर भी अपनी फिल्म से हैरान करने वाली हैं। ओटीटी पर इस हफ्ते साउथ की दो बड़ी फिल्में रिलीज होंगी। इनमें रजनीकांत की 'जेलर 2' और विजय देवरकोंडा की 'रणबाली' शामिल है। जहां एक तरफ रजनी और विजय एक्शन करते दिखेंगे। वहीं दूसरी तरफ प्रियामणि एक थ्रिलर फिल्म लेकर आई हैं। इसके अलावा करण जौहर के बैनर तले शनाया कपूर भी 'स्टूडेंट ऑफ द ईयरः आफ्टर डार्क' से डराने आ रही हैं। जानें इस हफ्ते क्या है खास? सुपरस्टार रजनीकांत अभिनीत फिल्म 'जेलर 2' 15 अक्तूबर को थिएटर में रिलीज हुई थी। इसने शानदार प्रदर्शन किया है। अब यह ओटीटी पर दस्तक देने जा रही है। यह फिल्म 12 नवंबर 2026 को प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी। यह तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज होगी। इस फिल्म में मोहनलाल, ऋतिक रोशन, जैकी श्रॉफ और विजय सेतुपति भी कैमियो रोल में हैं।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर- आफ्टर द डार्क

यह एक थ्रिलर वेब सीरीज है, जिसमें कुल छह एपिसोड हैं। इसका निर्देशन रीमा माया ने किया है। शनाया कपूर, दिविक शर्मा और मान्या ग्रोवर जैसे कलाकारों से सजी यह सीरीज 13 नवंबर 2026 से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इसे करण जौहर ने धर्मॉटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया है।

मैं आम छुट्टियों पर जाने वाली लड़की नहीं हूं



टेलीविजन इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री निया शर्मा ने श्रीलंका की अपनी हालिया यात्रा की तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वे वहां के समुद्र तटों और खूबसूरत जगहों पर समय बिताती नजर आ रही हैं। इंस्टाग्राम पर 'नागिन' फेम एक्ट्रेस निया ने समुद्र किनारे सूर्यास्त की कई तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए निया ने अपनी इस ट्रिप को 'वर्कके शन' बताया और लिखा, 'समुद्र किनारे कुछ खूबसूरत सूर्यास्त।' उन्होंने कहा कि वह 'आम छुट्टियों पर जाने वाली लड़की' नहीं हैं। अपनी इस पोस्ट के जरिए निया ने दिखाया कि कैसे उन्होंने श्रीलंका यात्रा के दौरान काम और समुद्र किनारे बिताए गए समय के बीच संतुलन बनाए रखा। तस्वीरों की इस सीरीज में निया को श्रीलंका के समुद्र तटों पर समय बिताते हुए देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ने अपनी कई सोलो तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वे खूबसूरत तटीय नजारों के सामने पोज देती और आसपास की सुंदरता का आनंद लेती नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में समुद्र किनारे का सूर्यास्त कैद है, जबकि अन्य तस्वीरों में उनकी शाम की सैर और वहां की शानदार नाइटलाइफ की झलक मिलती है। अभिनेत्री के हालिया टीवी कामों के बारे में बात करें तो निया डेटिंग रियलिटी शो 'स्प्लिट्सविला' के 16वें सीजन का हिस्सा थीं, जिसे सनी लियोन और करण कुंद्रा ने होस्ट किया था। इस शो में लड़के-लड़कियां बाहरी दुनिया से दूर एक विला में एक साथ रहते हैं। वे प्रतियोगिता में अपनी जगह पक्की करने के लिए अलग-अलग टास्क में हिस्सा लेते हैं।

कपिल देव, श्रीकांत और बाइचुंग भूटिया को 'लिविंग लेजेंड' सम्मान

नई दिल्ली। भारतीय खेल जगत की उपलब्धियों और उसके विकास में उल्लेखनीय योगदान देने वाली हस्तियों एवं संस्थाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर 1983 विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कपिल देव, पूर्व क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत और भारतीय फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी बाइचुंग भूटिया को प्रतिष्ठित ह्यफिक्की लिविंग लेजेंड अवॉर्डह्ल से नवाजा गया। वहीं, राजा रणधीर सिंह और शांता रंगास्वामी को खेलों में उनके दीर्घकालीन योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किया गया। फिक्की फेडरेशन हाउस में आयोजित समारोह में खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल महासंघों, राज्यों, खेल फ्रेंचाइजी, कॉरपोरेट संस्थानों और मीडिया सहित 29 श्रेणियों में पुरस्कार दिए गए। समारोह में भारतीय खेलों की उपलब्धियों के साथ जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने और बेहतर खेल ढांचा विकसित करने में योगदान देने वालों को भी सराहा गया।

महिला पैरा खिलाड़ी शरमिला धनकर को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला पैरा खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में एफ-57 शॉटपुट स्पर्धा में 9.81 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता था। यह भारत का पैरा एथलेटिक्स में पहला राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण था। उभरती महिला खिलाड़ी का पुरस्कार युवा तीरंदाज कुमकुम मोहोड को मिला। उन्होंने शंघाई विश्व कप में टीम स्पर्धा का स्वर्ण जीता और एशियाई खेलों में पदार्पण करते हुए सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का सम्मान भी हासिल किया। मुक्केबाज अंकुश पंघाल को उभरते पुरुष खिलाड़ी तथा पैरा हाई जम्पर वरुण सिंह भाटी को सर्वश्रेष्ठ पुरुष पैरा खिलाड़ी चुना गया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को पहली बार



एकदिवसीय विश्व कप खिताब दिलाने वाले मुख्य कोच अमोल मजूमदार को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खेल प्रशिक्षक घोषित किया गया। महिला वर्ग में नीता दादवे को यह सम्मान मिला। सैंटियागो निवा को सर्वश्रेष्ठ हाई परफॉर्मेंस निदेशक चुना गया, जबकि संदीप द्विवेदी और विमल मोहन को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खेल पत्रकार का पुरस्कार दिया गया। एशियाई खेलों में भारतीय तीरंदाजों के शानदार प्रदर्शन और नौ पदक जीतने में योगदान के लिए भारतीय तीरंदाजी संघ को सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय खेल महासंघ का पुरस्कार मिला। साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया को देश में पहली यूसीआई 2.2 रोड रेस ह्यपुणे ग्रैंड टूरह्ल आयोजित करने के लिए सम्मानित किया गया। वहीं, प्रो कबड्डी लीग का खिताब जीतने वाली हरियाणा स्टीलर्स को सर्वश्रेष्ठ खेल फ्रेंचाइजी घोषित किया गया।

राज्यों की श्रेणी में जम्मू-कश्मीर को खेलों को बढ़ावा देने वाला सर्वश्रेष्ठ राज्य चुना गया। लद्दाख को खेल पर्यटन के प्रोत्साहन और तमिलनाडु को खेल प्रशासन एवं नीति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। खेलों के विकास में कॉरपोरेट भागीदारी के लिए एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र की एनटीपीसी को अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार मिले।

इसके अलावा, अल्ट्राह्यूमन को सर्वश्रेष्ठ स्पोर्ट्स स्टार्टअप, थर्ड-आई टीवी को सर्वश्रेष्ठ स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी कंपनी और फैनकोड को सर्वश्रेष्ठ स्पोर्ट्स ब्रॉडकास्टर का पुरस्कार दिया गया। जीएमआर स्पोर्ट्स, अदाणी स्पोर्ट्सलाइन, मिशेजो स्पोर्ट्स इंफ्रा, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, ड्रिबल अकादमी फाउंडेशन और द दून स्कूल को भी विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय अंडर-19 महिला टीम घोषित

भाविका अहिरे को कप्तानी, अनादी तागड़े उपकप्तान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने इंग्लैंड अंडर-19 महिला टीम के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय अंडर-19 महिला टीम की घोषणा कर दी है। यह श्रृंखला वडोदरा और सूरत में खेली जाएगी। जनवरी 2027 में होने वाले आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्वकप की तैयारी के लिहाज से यह श्रृंखला महत्वपूर्ण होगी। भाविका अहिरे को टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जबकि अनादी तागड़े उपकप्तान होंगी। भाविका के साथ श्रेया एस. चव्हाण को विकेटकीपर के रूप में टीम में शामिल किया गया है। भारतीय अंडर-19 महिला टीम : भाविका अहिरे (कप्तान और विकेटकीपर), इरा जाधव, निधि महतो, पूर्वा सिवाच, मेहेक नरवसे, मैत्री मनियार, ईश्वरी अवसारे, दीया यादव, श्रेया एस. चव्हाण (विकेटकीपर), समायरा राघव, कुमारी पलक, उमा काश्वी, अच्छाह परमार, अनादी तागड़े (उपकप्तान) और पलक सिंह।

इंग्लैंड अंडर-19 महिला टीम का भारत दौरा : कार्यक्रम

पहला टी20 मुकाबला 26 नवंबर को वडोदरा में शाम छह बजे खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला 28 नवंबर को वडोदरा में दोपहर एक बजे होगा। श्रृंखला का तीसरा मुकाबला एक दिसंबर को सूरत में शाम छह बजे, चौथा मुकाबला तीन दिसंबर को सूरत में शाम छह बजे और पांचवां तथा अंतिम मुकाबला छह दिसंबर को सूरत में दोपहर एक बजे खेला जाएगा।

महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की लगातार दूसरी जीत, कोरिया को 2-1 से हराया

जापान ने थाईलैंड को 3-0 से दी शिकस्त, चीन-मलेशिया का मुकाबला बराबरी पर छूटा

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में चल रही महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2026 में भारतीय टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। यहां बरखेड़ा नाथू स्थित हॉकी स्टेडियम में शनिवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने कोरिया को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारतीय टीम की ओर से मुमताज खान और सुनेलिता टोप्पो ने गोल किए। कोरिया ने आखिरी क्वार्टर में वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी बढ़त बरकरार रखी।

दिन के अन्य मुकाबलों में जापान ने थाईलैंड को 3-0 से पराजित किया, जबकि चीन और मलेशिया के बीच खेला गया मैच 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने बनाई दो गोल की बढ़त

चैंपियनशिप में भारत और कोरिया के बीच शनिवार को शाम



7.00 बजे शुरू हुए मुकाबले में शुरूआती दौर में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। कोरियाई खिलाड़ियों ने मजबूत रक्षापंक्ति के दम पर भारतीय हमलों को रोकने की कोशिश की। पहले दो क्वार्टर में भारतीय टीम को गोल करने में सफलता नहीं मिली। तीसरे क्वार्टर में भारत ने आक्रामक रुख अपनाया। मुमताज खान ने 29वें मिनट में गोल कर टीम का खाता खोला। इसके बाद 33वें मिनट में सुनेलिता टोप्पो ने गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर भारत की बढ़त 2-0 कर दी।

दो गोल से पिछड़ने के बाद कोरिया ने आखिरी क्वार्टर में हमले तेज किए। 56वें मिनट में हांग यंगयून ने गोल कर अंतर 2-1 कर दिया। इसके बाद कोरियाई टीम ने बराबरी के लिए जोर लगाया, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने उसके प्रयासों को नाकाम कर दिया। भारत ने अंत तक बढ़त बनाए रखी और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

गोल के मौकों को भुनाने पर करना होगा काम : सलीमा टेटे

भारतीय टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने जीत के बाद कहा कि कोरिया के खिलाफ मुकाबला चुनौतीपूर्ण था। प्रतिद्वंद्वी टीम ने मजबूत डिफेंस किया और गोलकीपर ने भी कई अच्छे बचाव किए। भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार सर्कल में प्रवेश कर गोल के मौके बनाने की कोशिश की, लेकिन शुरूआती सफलता नहीं मिली। उन्होंने कहा कि टीम ने दबाव के बावजूद प्रयास जारी रखे और गोल करने के बाद भी हमले जारी रखे। पेनल्टी कॉर्नर से भी गोल हासिल हुआ। हालांकि, टीम को पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने और मिले अवसरों का बेहतर इस्तेमाल करने पर काम करना होगा।सलीमा ने कहा कि खिलाड़ी मैच के वीडियो का विश्लेषण कर अपनी कमियों को दूर करेंगी। घरेलू मैदान पर खेलना टीम के लिए खास है। दर्शकों का उत्साह और समर्थन खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट में कोई भी टीम कमजोर नहीं है, इसलिए भारतीय टीम का ध्यान अपने खेल को बेहतर बनाने और एक-एक मुकाबले पर केंद्रित है।

जापान ने थाईलैंड के खिलाफ तीन गोल दागे : दिन के एक अन्य मुकाबले में जापान ने थाईलैंड को 3-0 से हराया। जापान की सासाकी रीस ने आठवें मिनट में गोल कर टीम को शुरूआती बढ़त दिलाई। उन्होंने 22वें मिनट में दूसरा गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद 40वें मिनट में यामामोटो रीना ने तीसरा गोल दागकर जापान की जीत सुनिश्चित कर दी। थाईलैंड की टीम पूरे मुकाबले में कोई गोल नहीं कर सकी।

चीन-मलेशिया का मुकाबला 2-2 से ड्रॉ : इससे पहले चीन और मलेशिया के बीच दिन का पहला मुकाबला 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ। शुरूआती दो क्वार्टर गोलरहित रहे। तीसरे क्वार्टर में चीन की वेई किक्सियाओ ने 34वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद चीन की फेंग जियाक्सिन ने 40वें मिनट में दूसरा गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। मलेशिया ने भी हार नहीं मानी। सिति मोहम्मद ने 30वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर अंतर कम किया। इसके बाद अजहैरी अजमीरा ने 44वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। अंतिम क्वार्टर में दोनों टीमों ने बढ़त बनाने की कोशिश की, लेकिन कोई भी सफल नहीं हो सकी।

24 नवंबर को चीन से होगा भारत का मुकाबला

लीग चरण में भारतीय टीम का अगला मुकाबला 22 नवंबर को थाईलैंड से होगा। इसके बाद 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान से भिड़ंत होगी। लीग चरण के मुकाबले 25 नवंबर तक खेले जाएंगे। इसके बाद 27 नवंबर को पोजिशन के आधार पर मैच होंगे, जबकि 28 नवंबर को कांस्य और स्वर्ण पदक के लिए मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की लगातार दूसरी जीत, कोरिया को 2-1 से हराया

जापान ने थाईलैंड को 3-0 से दी शिकस्त चीन-मलेशिया का मुकाबला बराबरी पर छूटा

भोपाल, 21 नवंबर (हि.स.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में चल रही महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2026 में भारतीय टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। यहां बरखेड़ा नाथू स्थित हॉकी स्टेडियम में शनिवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने कोरिया को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारतीय टीम की ओर से मुमताज खान और सुनेलिता टोप्पो ने गोल किए। कोरिया ने आखिरी क्वार्टर में वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी बढ़त बरकरार रखी। दिन के अन्य मुकाबलों में जापान ने थाईलैंड को 3-0 से पराजित किया, जबकि चीन और मलेशिया के बीच खेला गया मैच 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने बनाई दो गोल की बढ़त

चैंपियनशिप में भारत और कोरिया के बीच शनिवार को शाम 7.00 बजे शुरू हुए मुकाबले में शुरूआती दौर में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। कोरियाई खिलाड़ियों ने मजबूत रक्षापंक्ति के दम पर भारतीय हमलों को रोकने की कोशिश की। पहले दो क्वार्टर में भारतीय टीम को गोल करने में सफलता नहीं मिली। तीसरे क्वार्टर में भारत ने आक्रामक रुख अपनाया। मुमताज खान ने 29वें मिनट में गोल कर टीम का खाता खोला। इसके बाद 33वें मिनट में सुनेलिता टोप्पो ने गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। दो गोल से पिछड़ने के बाद कोरिया ने आखिरी क्वार्टर में हमले तेज किए। 56वें मिनट में हांग यंगयून ने गोल कर अंतर 2-1 कर दिया। इसके बाद कोरियाई टीम ने बराबरी के लिए जोर लगाया, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने उसके प्रयासों को नाकाम कर दिया। भारत ने अंत तक बढ़त बनाए रखी और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मोदी और मुर्मु को बालेन्द्र शाह देंगे नेपाल की दो ऐतिहासिक धरोहरों की प्रतिमाएं

एजेंसी

काठमांडू । नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह भारत की राजकीय यात्रा के दौरान अपने समकक्ष नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को नेपाल की दो महत्वपूर्ण धार्मिक एवं ऐतिहासिक धरोहर से जुड़ी प्रतिमाएं उपहार में देंगे। इससे पहले नेपाल के प्रधानमंत्री भारत यात्रा के दौरान भगवान पशुपतिनाथ मंदिर की प्रतिकृति भेंट करते रहे हैं।

प्रधानमंत्री शाह आज दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंच रहे हैं। सोमवार को उनकी भारतीय प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति के साथ अलग-अलग मुलाकात का कार्यक्रम है। शाह भारतीय प्रधानमंत्री मोदी



को रातो मच्छिंद्रनाथ की प्रतिमा भेंट करेंगे। रातो मच्छिंद्रनाथ नेपाल की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान से जुड़े प्रमुख देवता हैं।

नेपाल की पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, लिच्छवि राजा नरेंद्रदेव रातो मच्छिंद्रनाथ को भारत के तत्कालीन कामरूप (वर्तमान असम) स्थित कामाख्या क्षेत्र से काठमांडू घाटी लेकर आए थे। धार्मिक मान्यता है कि उस समय घाटी में लंबे समय तक बारिश नहीं होने के कारण अकाल की स्थिति पैदा हो गई थी। मच्छिंद्रनाथ को नेपाल लाने के बाद बारिश शुरू हुई थी।

भारतीय राष्ट्रपति को प्रधानमंत्री शाह काठमांडू के चाबहिल स्थित चारुमती विहार से जुड़ी एक प्रतिमा उपहार में देंगे। चारुमती विहार का इतिहास भारत के मौर्य सम्राट अशोक और उनकी बेटी चारुमती से जुड़ा हुआ है। पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, सम्राट अशोक अपनी बेटी चारुमती के साथ काठमांडू घाटी आए थे। चारुमती ने स्थानीय क्षेत्रीय राजकुमार देवपाल से विवाह किया और देवपाटन क्षेत्र में रहने लगीं। माना जाता है कि उन्होंने इसी क्षेत्र में विहार का निर्माण कराया था। यह भी कहा जाता है कि उनकी मृत्यु इसी क्षेत्र में हुई।

नेपाल की इन दोनों ऐतिहासिक धरोहरों से जुड़ी प्रतिमाओं के उपहार के जरिए प्रधानमंत्री शाह भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने धार्मिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को दशार्ने का प्रयास करेंगे।

पिस्तौल एवं दो राउंड जिंदा कारतूस के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

जोरहाट (असम)। जोरहाट जिलांतर्गत टियक के लाहदेगड़ इलाके में पुलिस ने अभियान चलाते हुए दो राउंड जिंदा कारतूस समेत एक पिस्तौल को बरामद किया है। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि पिस्तौल के साथ लाहदेगड़ के नए मेलेंग गांव निवासी गोपाल दास नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। व्यक्ति पिस्तौल कहां से लाया था, वह किसी संगठन के साथ जुड़ा है या नहीं ऐसे सभी सवालों के लिए आरोपित से पूछताछ की जा रही है। ज्ञात हो कि लचित मैदान सड़क इलाके में बीती रात लाहदेगड़ पुलिस की विशेष कार्रवाई में जिंदा गोलियों के साथ पिस्तौल बरामद की गई। बरामद पिस्तौल 7.65 एमएम की बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच जारी है।

न्यूज IN ब्रीफ

हिमाचल में तीन साल में चिट्टा तस्करी के 3,227 मामले, 5,866 गिरफ्तार, 45.86 करोड़ की संपत्ति जब्त

शिमला । हिमाचल प्रदेश में पिछले तीन वर्षों के दौरान चिट्टा तस्करी के 3,227 मामले दर्ज हुए हैं और 5,866 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने तस्करी से अर्जित 45.86 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति भी जब्त की है। सबसे अधिक 600 मामले शिमला जिले में दर्ज हुए, जहां 1,261 गिरफ्तारियां की गईं। राज्य सरकार ने ये आंकड़ा विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सदन में रखा।

तीसरे साल में 1,388 मामले दर्ज : सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2 नवंबर 2023 से 1 नवंबर 2024 तक चिट्टा तस्करी के 794 मामले दर्ज हुए और 1,373 आरोपी गिरफ्तार किए गए। अगले वर्ष 1,045 मामलों में 1,952 गिरफ्तारियां हुईं। वहीं, 2 नवंबर 2025 से 1 नवंबर 2026 तक 1,388 मामले दर्ज हुए और 2,541 आरोपी गिरफ्तार किए गए। जिलावार आंकड़ों में बिलासपुर 445 मामलों और 717 गिरफ्तारियों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। मंडी में 314 मामले और 552 गिरफ्तारियां, कांगड़ा में 282 मामले और 529 गिरफ्तारियां तथा सोलन में 245 मामले और 542 गिरफ्तारियां दर्ज की गईं। ऊना में 245, नूरपुर में 223 और सिरमौर में 198 मामले सामने आए।

नूरपुर में सबसे अधिक संपत्ति जब्त : तस्करों की अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई में नूरपुर पुलिस जिला सबसे आगे रहा। यहां 13.37 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई। शिमला में 10.96 करोड़ और सोलन में 10.05 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त हुई। सिरमौर में 3.20 करोड़, बद्दी में 2.98 करोड़ और कांगड़ा में 2.75 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई। वर्षवार देखें तो पहले साल 8.57 करोड़, दूसरे साल 15.36 करोड़ और तीसरे साल 21.93 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त हुई। यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट के तहत की गई।

ग्वालियर में इलेक्ट्रॉनिक कारोबारी के तीन मंजिला मकान में भीषण आग, 25 मकानों को कराया खाली

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर के जनकगंज इलाके में शनिवार रात इलेक्ट्रॉनिक कारोबारी धर्मेंद्र जैन के तीन मंजिला मकान में भीषण आग लग गई। रात करीब 9 बजे मकान से आग की लपटें उठती देख इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आसपास घनी आबादी और पास में कपड़े बनाने की फैक्ट्री होने के कारण आग फैलने का खतरा बढ़ गया। एहतियात के तौर पर प्रशासन और पुलिस ने आसपास के करीब 25 मकानों को खाली कराया। इनमें रहने वाले 100 से 150 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। आग पर काबू पाने के लिए नगर निगम की 24 दमकल गाड़ियों और एयरफोर्स की एक गाड़ी को लगाया गया। दमकलकर्मियों ने करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद रात 2 बजे आग पर काबू पाया। आग की चपेट में आने से मकान में रखे इलेक्ट्रॉनिक सामान को नुकसान पहुंचने की आशंका है। हालांकि, नुकसान का आकलन नहीं हो सका है। घटना के समय धर्मेंद्र जैन अपनी पत्नी और दोनों बच्चों के साथ मंदिर दर्शन के लिए गए हुए थे। उनकी बहन सविता जैन ने बताया कि भाभी का फोन आया था। उन्होंने घर में आग लगने की सूचना दी। इसके बाद परिवार रास्ते से ही वापस लौट आया। धर्मेंद्र जैन अपने परिवार के साथ इसी मकान में रहते हैं, जबकि उनके माता-पिता दानोली में रहते हैं।उआग लगे मकान के पास ही नितिन का घर है, जहां लोअर और टी-शर्ट बनाने की फैक्ट्री संचालित होती है। आसपास मकानों की घनी बसाहट होने के कारण आग दूसरी इमारतों तक पहुंचने की आशंका थी। इसे देखते हुए पुलिस और प्रशासन की टीम ने तत्काल आसपास के घर खाली कराए और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।दमकलकर्मियों के मुताबिक, रात करीब 9 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। टीमों के मौके पर पहुंचने तक आग मकान की ऊपरी मंजिल तक फैल चुकी थी। आग बुझाने के दौरान मकान में पूरी तरह भरा हुआ एलपीजी सिलेंडर भी मिला। दमकलकर्मियों ने सतर्कता बरतते हुए सिलेंडर को सुरक्षित किया। यदि वह आग की चपेट में आता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

पश्चिम बंगाल में आज भी छाए रहेंगे बादल, कुछ जिलों में हल्की बारिश के आसार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में रविवार को मौसम का मिजाज बदला हुआ रहने का अनुमान है। राज्य के कई जिलों में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। वहीं, कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या छिटपुट बौछारें पड़ने की संभावना है। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से जारी बेमौसम बारिश के बाद धीरे-धीरे मौसम में सुधार होने के संकेत हैं। अलीपुर स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के पूवार्नुमान के अनुसार, कोलकाता और आसपास के इलाकों में आज सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे। कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने भारी बारिश या तेज तूफान को लेकर कोई विशेष चेतावनी जारी नहीं की है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, कोलकाता और आसपास के जिलों में अधिकतम तापमान 28 से 30 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। हावड़ा, हुगली और उत्तर एवं दक्षिण 24 परगना में भी बादलों की आवाजाही बनी रहने की संभावना है।उपश्चिम मेदिनीपुर, पूर्व मेदिनीपुर, बांकुड़ा, पुरुलिया और पश्चिम बर्दवान के जिलों में भी आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। सुबह के समय कुछ इलाकों में हल्की धुंध और ठंड का एहसास हो सकता है। इन जिलों में अधिकतम तापमान 27 से 29 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 19 से 21 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। वहीं, उत्तर बंगाल के दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और मालदा सहित अन्य जिलों में सुबह के समय हल्की बारिश या धुंध देखने को मिल सकती है। दिन चढ़ने के साथ मौसम में सुधार होने की संभावना है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, अगले सप्ताह के मध्य तक तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक की कमी आने की संभावना है। इससे राज्य में सर्दी का एहसास बढ़ सकता है।

योगी आदित्यनाथ की मां के निधन पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने जताया शोक, कहा- स्नेहमयी छत्रछाया का हटना अपूरणीय क्षति

हरिद्वार। ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शोक संवेदना संदेश भेजकर इस कठिन समय में धैर्य और संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। शंकराचार्य ने कहा कि माता की स्नेहमयी छत्रछाया का जीवन से हट जाना अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ राष्ट्रसेवा में समर्पित हैं, लेकिन जन्मदात्री माता का वात्सल्य और उनका बिछुड़ना हृदय को व्यथित करने वाला होता है। शंकराचार्य ने अपने संदेश में श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक 'अव्यक्तादीनि भूतानि व्यक्तमध्यानि भारत। अव्यक्तनिधनान्येव तत्र का परिदेवना॥' का उल्लेख करते हुए कहा कि जीवन और मृत्यु ईश्वर के शाश्वत नियम का हिस्सा हैं। जन्म से पहले सभी प्राणी अव्यक्त अवस्था में होते हैं, जीवनकाल में व्यक्त होते हैं और मृत्यु के बाद पुनः अव्यक्त हो जाते हैं।

बारात चढ़ाते समय बग्गी में दौड़ा करंट दो बैंडकर्मियों की मौत, एक घायल



एजेंसी

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में थाना सिरसागंज क्षेत्र अन्तर्गत शनिवार देर रात बरात चढ़ते समय बग्घी में हाइटेंशन लाइन का करंट दौड़ने से दो बैंडकर्मियों की मौत हो गई। वहीं एक झुलस गया। दूल्हे ने बग्गी से कूदकर जान बचाई। पुलिस मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल लाई है। थाना सिरसागंज क्षेत्र के गांव दौलतपुर बैजुआ में सर्वेश वाल्मीकि की बेटी निशा की बारात मथुरा के फरह से आई थी। शनिवार रात बरात गांव में घूम रही थी। इसी दौरान प्राथमिक स्कूल के पास बग्घी का ऊपरी हिस्सा वहां से गुजर रही 11 हजार वोल्टेज की लाइन से छू गया।जिससे बग्घी में करंट दौड़ गया। उसमें लगे दो घोड़े और उन्हें पकड़ कर चल रहे दो बैंडकर्मी झुलस गए। जिससे बैंडकर्मियों के साथ ही दोनों घोड़ों की भी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूल्हे ने बग्गी से कूदकर अपनी जान बचाई। इस घटना से बारात में अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पहुंच गई। मृतक बैंडकर्मियों की पहचान पप्पू निवासी मियां बाजार और अकील निवासी नगला राधे थाना सिरसागंज के रूप में हुई है। घटना में एक अन्य बैंडकर्मी भी घायल हो गया। जिसे पुलिस ने उपचार के लिए सरकारी ट्रॉमा सेंटर भेजा है। घटना से शादी समारोह में चीखपुकार मच गई।

जननायक एक्सप्रेस में जीआरपी सिपाहियों और महिला यात्रियों के बीच मारपीट, वीडियो वायरल

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर जननायक एक्सप्रेस में सीट को लेकर हंगामा हो गया। छठ मनाकर लुधियाना लौट रहे एक परिवार के साथ सीट को लेकर जीआरपी सिपाहियों से कहासुनी हो गई। आरोप है कि जीआरपी सिपाहियों ने महिलाओं और उनकी बेटियों के साथ अभद्रता की और विरोध करने पर महिलाओं को पीटा भी। ट्रेन के अंदर यात्रियों ने पीड़िताओं का पक्ष लिया तो पुलिसकर्मियों ने उन्हें भी नहीं छोड़ा। नजीबाबाद में जीआरपी ने उन्हें उतार लिया और पीडितो के खिलाफ ही शनिवार को रिपोर्ट दर्ज कर दी। ट्रेन के अंदर हुई मारपीट का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी



के अनुसार शनिवार को एक महिला शिवराजपुर बिहार से अपनी तीन पुत्रियों के साथ छठ पूजा मनाकर जननायक एक्सप्रेस से लुधियाना लौट रही थी। आरोप है कि मुरादाबाद रेलवे स्टेशन से ट्रेन के निकलने के बाद जीआरपी के दो पुलिसकर्मी जिनका नाम अजय कुमार व सागर बताया गया है। पुलिस कर्मी अपनी परीचित दो महिला यात्रियों को जबरन सीट दिला रहे थे। एक महिला को सीट मिल गई थी। दूसरी को सीट दिलाने के दौरान कहासुनी हो गई। नजीबाबाद रेलवे स्टेशन पर महिला रूबी पत्नी शर्मा प्रसाद शिवराजपुर बिहार व उनकी तीन पुत्री लक्ष्मी, खुशी और सुनीता के साथ दो मददगार पिक्कू व चन्दन को ट्रेन से उतार लिया। दोनों उनके पक्ष में पुलिस कर्मियों से बात कर रहे थे।

आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने महिला और उनकी पुत्रियों के साथ अभद्रता शुरू कर दी और वीडियो बनाने लगे। सीट पर पहले से बैठी महिला और तीनों लड़कियों ने भी अपने मोबाइल से वीडियो बनाया। घटना के दौरान ट्रेन में कहासुनी और धक्का-मुक्की हुई। जिसमें महिला घायल हो गई। आरोप लगाया कि उसका मगलसूत्र भी तोड़ दिया। ट्रेन के अंदर बैठे अन्य यात्रियों ने भी जब महिला यात्रियों के सपोर्ट में खड़े हुए तो पुलिसकर्मियों ने उनके साथ भी मारपीट की। उधर पुलिस का आरोप है कि मदद करने वाले दोनों लोगों ने पुलिसकर्मियों से मारपीट की।

नजीबाबाद जीआरपी थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी गई है और घटना की सूचना आरपीएफ अधिकारियों को भी दी गई। जीआरपी पुलिस ने महिला , उसकी तीन पुत्री व अन्य दो के खिलाफ संबधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

विषाक्त पदार्थ के प्रभाव से भाजपा विधायक रेखा पात्रा की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हिंगलगंज विधानसभा क्षेत्र की भाजपा विधायक रेखा पात्रा की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें कोलकाता के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। अस्पताल में उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। चिकित्सकीय सूत्रों के अनुसार, उनके शरीर में विषाक्त पदार्थ के प्रभाव के लक्षण मिले हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब नौ बजे रेखा पात्रा अपने हिंगलगंज स्थित आवास पर अचानक बीमार पड़ गईं। उन्हें तत्काल स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी



स्थिति और बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें बशीरहाट सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल स्थानांतरित किया गया। वहां उन्हें क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) में भर्ती कराया गया था। करीब चार घंटे तक उपचार के बाद भी उनकी स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। इसके बाद चिकित्सकों की सलाह पर उन्हें कोलकाता के एक अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। फिलहाल वह अस्पताल के आईटीयू में चिकित्सकों की निगरानी में हैं। उन्हें वेंटिलेटर का सहारा दिया गया है। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, चिकित्सक युधाजीत सेनगुप्ता की देखरेख में उनका उपचार चल रहा है। रविवार सुबह राज्य के स्वास्थ्य मंत्री शारद्वत मुखोपाध्याय भी उनका हालचाल जानने अस्पताल पहुंचे। बताया गया है कि शनिवार रात बशीरहाट अस्पताल पहुंचने के समय विधायक बेहोश थीं। उन्हें ऑक्सीजन और स्लाइन दिया जा रहा था। हालांकि, उनके शरीर में विषाक्त पदार्थ का प्रभाव किस कारण हुआ और वह किन परिस्थितियों में अचानक बीमार पड़ीं, इसकी स्पष्ट जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

भांग, मोगरे और गुलाब के फूलों से सजे बाबा महाकाल, पंचामृत अभिषेक के बाद महानिवार्णी अखाड़े ने अर्पित की भस्म

एजेंसी

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में रविवार तड़के भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल का आकर्षक श्रृंगार किया गया। सुबह 4 बजे मंदिर के पट खुलने के बाद पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित देवी-देवताओं का पूजन किया। इसके बाद भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। भगवान को भांग अर्पित कर त्रिपुंड, त्रिशूल और डमरू से सुसज्जित किया गया। पूजन के दौरान प्रथम घंटाल बजाकर हरिओम का जल अर्पित किया गया। मंत्रोच्चार और कपूर आरती के बाद ज्योतिर्लिंग को वस्त्र से ढंककर महानिवार्णी अखाड़े की ओर से भस्म अर्पित की गई। इसके बाद भगवान महाकाल को शेषनाग का रजत मुकुट, रजत मुंडमाल और रुद्राक्ष की माला धारण कराई गई। मोगरे और गुलाब के सुगंधित फूलों से बाबा का विशेष श्रृंगार किया गया। इसके बाद फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया।



धार्मिक मान्यता के अनुसार भस्म अर्पण के बाद भगवान महाकाल निराकार से साकार स्वरूप में भक्तों को दर्शन देते हैं। भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भक्तों ने बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने नंदी महाराज के दर्शन किए और उनके कान में अपनी मनोकामनाएं भी कहीं। मंदिर परिसर बाबा महाकाल के जयकारों से गूंजता रहा।

शिमला के दरोटी में डेढ़ सौ साल पुरानी पशु बलि की परंपरा खत्म

एजेंसी

शिमला। पहाड़ों में देवी-देवताओं के नाम पर पशु बलि की सदियों पुरानी परंपरा को बदलने की एक नई मिसाल सामने आई है। शिमला जिले के रोहड़ू उपमण्डल के नावर इलाके के दरोटी गांव में ग्रामीणों ने नागरकोटी माता दरोटेश्वरी मंदिर में करीब 150 वर्षों से चली आ रही पशु बलि की परंपरा समाप्त कर दी है। अब मंदिर में होने वाले सभी धार्मिक आयोजनों में पशु बलि नहीं दी जाएगी। ग्रामीणों और देव समाज ने इसके स्थान पर सात्विक और अहिंसक तरीके से धार्मिक अनुष्ठान करने का निर्णय लिया है। करीब दो करोड़ रुपये की लागत से बने मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में इस नई परंपरा की शुरूआत हुई। 20 और 21 नवंबर को आयोजित दो दिवसीय समारोह में हजारों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। मंदिर के पुजारी वेद प्रकाश भारद्वाज ने बताया कि नागरकोटी माता मंदिर में पहले पशु बलि देना स्थापित परंपरा थी। करीब दो



महीने पहले ग्रामीणों और देव समाज ने आपसी सहमति से इसे बंद करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि समय के साथ धार्मिक परंपराओं में सकारात्मक बदलाव जरूरी हैं। इससे समाज को नई दिशा मिलेगी और आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को भी सुरक्षित रखा जा सकेगा। हिमाचल प्रदेश के कई पहाड़ी मंदिरों में पहले धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान बकरे और भेड़ की बलि देने की परंपरा रही है। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एक सितंबर 2014 को सार्वजनिक स्थानों और धार्मिक समारोहों में पशु बलि पर पूरे प्रदेश में प्रतिबंध लगाया था। दरोटी में ग्रामीणों की यह पहल धार्मिक आयोजनों को पूरी तरह सात्विक और अहिंसक तरीके से संपन्न करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

सदियों पुराना है माता नागरकोटी मंदिर का इतिहास : दरोटी गांव में स्थित नागरकोटी माता दरोटेश्वरी मंदिर का इतिहास सदियों पुराना माना जाता है। स्थानीय लोगों की मान्यता है कि माता का मूल स्थान कांगड़ा का नागरकोट है, जहां से कई सौ साल पहले देवी का दरोटी गांव में प्रादुर्भाव हुआ था। इसी मान्यता के चलते प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले श्रद्धालु नागरकोट और अन्य धार्मिक स्थलों की यात्रा पर गए। मंदिर में इससे पहले वर्ष 1962 में शांत यज्ञ का आयोजन हुआ था। नए मंदिर का निर्माण करीब एक दशक पहले शुरू किया गया था, जो हाल ही में पूरा हुआ है। करीब दो करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस मंदिर की 20 और 21 नवंबर को प्राण प्रतिष्ठा की गई।

कैबिनेट मंत्रियों रोहित ठाकुर और विक्रमादित्य सिंह ने भी नवाया शीश : प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर और लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह भी शामिल हुए। दोनों मंत्रियों ने माता नागरकोटी और देवता नारायण की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र के लोगों की खुशहाली, समृद्धि और शांति की कामना की। उन्होंने ग्रामीणों और आयोजन समिति के सदस्यों को मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए बधाई दी। दोनों मंत्रियों ने कहा कि हिमाचल की देव संस्कृति की अपनी अलग पहचान है। युवाओं को आधुनिक दुनिया के साथ आगे बढ़ने के साथ अपनी मूल संस्कृति और परंपराओं से भी जुड़े रहना चाहिए। उन्होंने इस विरासत को अगली पीढ़ियों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

300 किलोमीटर की धार्मिक यात्रा के बाद संपन्न हुआ प्राण प्रतिष्ठा समारोह

मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले करीब 25 श्रद्धालुओं ने देवी के पवित्र प्रतीकों के साथ एक नवंबर को धार्मिक यात्रा शुरू की थी। श्रद्धालु सबसे पहले कांगड़ा के नागरकोट पहुंचे। इसके बाद ज्वालाजी होते हुए उत्तराखंड के हरिद्वार गए और गंगा स्नान किया। करीब 300 किलोमीटर की यात्रा पूरी करने के बाद श्रद्धालु 19 नवंबर को दरोटी गांव पहुंचे। 20 नवंबर को समारोह की शुरूआत माता दरोटेश्वरी और नावर क्षेत्र के प्रतिष्ठित देवता नारायण के देव मिलन से हुई। 21 नवंबर को शिखा पूजन सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान किए गए। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किए और देवता की पालकी के साथ धार्मिक आयोजन में हिस्सा लिया।

कमड़ा हॉस्टल व सड़क निर्माण में लेवी मांगने वाले पीएलएफआई के दो गुर्गे गिरफ्तार, हथियार और धमकी भरे पर्चे बरामद

▶ देशी कट्टा, जिंदा कारतूस, तीन पर्चे, बाइक और मोबाइल जब्त ▶ तपकरा व आनंदपुर में लेवी मांगने के मामलों में भी संलिप्तता स्वीकार की

संवाददाता

खूंटी/ संवाददाता: खूंटी और सीमावर्ती पश्चिमी सिंहभूम जिले में सरकारी निर्माण कार्यों को निशाना बनाकर दहशत फैलाने और लेवी वसूलने वाले उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त छापेमारी अभियान में रनिया पुलिस ने संगठन के दो कथित सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, संगठन के तीन धमकी भरे पर्चे, एक मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों ने कमड़ा स्थित आवासीय विद्यालय के हॉस्टल निर्माण स्थल समेत अन्य लेवी मांगने की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 13 नवंबर 2026 को तपकरा थाना क्षेत्र के कमड़ा मोड़ स्थित अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय परिसर में 50 बेड के हॉस्टल का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान दोपहर करीब तीन बजे बाइक पर सवार पीएलएफआई के तीन सशस्त्र सदस्य वहां पहुंचे। आरोपियों ने काम कर रहे एक राजमिस्त्री को थप्पड़ मारकर निर्माण कार्य बंद करने की धमकी दी और संगठन का पर्चा थमाकर



फरार हो गए।

राजमिस्त्री को दिए गए पर्चे पर दक्षिण छोटानागपुर जोनल कमेटी के अनल दा का नाम अंकित था। इसमें संवेदक को सरकारी निर्माण कार्य की प्राक्कलित राशि का 10 प्रतिशत दो दिनों के भीतर संगठन के पास जमा करने की चेतावनी दी गई थी। साथ ही संगठन से बातचीत किए बिना काम जारी रखने पर अंजाम भुगतने और पुलिस की दलाली नहीं करने की धमकी दी गई थी।

इसके बाद 15 नवंबर 2026 को पश्चिमी सिंहभूम जिले के आनंदपुर थाना क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य के दौरान भी उग्रवादियों ने पर्चा फेंककर व्यवसायियों से लेवी की मांग की थी।

इन घटनाओं के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, तोरपा के नेतृत्व में तपकरा, रनिया और आनंदपुर थानों की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम लगातार विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर रही थी। इसी क्रम में 21 नवंबर 2026 को खूंटी पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि तीन युवक बिना नंबर प्लेट की पल्सर मोटरसाइकिल से जयपुर और केलो होते हुए रनिया की ओर आ रहे हैं।

सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। तीसरे संदिग्ध की तलाश की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संजू मांझी (24 वर्ष), पिता बालू मांझी और अंकुश बागे उर्फ दोन्दो (24 वर्ष), पिता राम बागे के रूप में हुई है। दोनों रनिया थाना क्षेत्र के केलो गांव के निवासी हैं।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ में दोनों आरोपियों ने पीएलएफआई के लिए लेवी मांगने से जुड़े तपकरा थाना कांड संख्या 10/26 और आनंदपुर थाना कांड संख्या 20/26 में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

योगाचार्य महेश पाल को मिला एलुमनी अवार्ड 2026



संवाददाता

हरिद्वार: देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार में अखंड दीप के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य समारोह में योगाचार्य महेश पाल को योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए एलुमनी अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया।

अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में देश-विदेश की विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। योगाचार्य महेश पाल वर्षों से योग के प्रचार-प्रसार के साथ बच्चों, युवाओं एवं महिलाओं को योग और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

वे राष्ट्रीय स्तर पर योगासन प्रतियोगिताओं में नेशनल योगासन जज (टेक्निकल ऑफिशियल) की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं। उनकी प्रमुख उपलब्धियों में 21 हजार सूर्य नमस्कार के लिए सम्मान, महर्षि पतंजलि योग रत्न अवार्ड और स्वामी विवेकानंद योग यूथ आइकॉनिक अवार्ड शामिल हैं। इस सम्मान को योगाचार्य महेश पाल की वर्षों की साधना, समर्पण एवं योग के क्षेत्र में निरंतर योगदान की राष्ट्रीय पहचान के रूप में देखा जा रहा है।

नाबालिग बच्ची को दिल्ली ले जाकर बेचने मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

सिमडेगा: नाबालिग बच्ची को बहला-फुसलाकर दिल्ली ले जाकर बेचने के मामले में सिमडेगा पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान साहेबगंज जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के कोयला पट्टी निवासी सद्दाम अंसारी (30) के रूप में हुई है। वह स्व मुस्तफा अंसारी उर्फ भोला अंसारी का पुत्र है। पुलिस ने उसे उसके घर से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, सिमडेगा थाना क्षेत्र की रहने वाली पीड़िता की मां ने 27 अक्टूबर 2026 को थाने में



लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उनकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर दिल्ली ले जाया गया और वहां बेच दिया गया। इस संबंध में एएचटीयू थाना कांड संख्या 05/26 के तहत 27 अक्टूबर 2026 को बीएनएस की धारा 137(2), 143(4) तथा किशोर न्याय अधिनियम, 2015 की धारा 75/81 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले की नामजद आरोपी रोशनी तिर्की को 28 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

अनुसंधान के दौरान रोशनी तिर्की के बयान के आधार पर सद्दाम अंसारी की संलिप्तता सामने आई। इसके बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी को 21 नवंबर 2026 को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। मामले में पुलिस की जांच जारी है।

जामपानी पल्ली में धूमधाम से मना खीस्त राजा पर्व, निकाली गई भव्य शोभायात्रा



संवाददाता

ठेठईटांगर: ठेठईटांगर प्रखंड क्षेत्र के जामपानी पल्ली में खीस्त राजा पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में मसीही धर्मावलंबियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा के बाद पल्ली परिसर में विधिवत मिस्सा पूजा का आयोजन किया गया।

मिस्सा पूजा के मुख्य अनुष्ठाता पल्ली पुरोहित सह डीन फादर गब्रिएल डूंगडूंग थे। सहायक पल्ली पुरोहित फादर संदीप कुमार खेस ने धार्मिक अनुष्ठान में सहयोग किया। इस दौरान श्रद्धालु प्रार्थना, भजन और आराधना में शामिल हुए।

इस अवसर पर झामुमो जिला अध्यक्ष अनिल कंडुलना, जिला कोषाध्यक्ष राजेश टोप्पो, उसुर्लाइन कॉन्वेंट की सुपीरियर सिस्टर सीमा मिंज, सिस्टर कोरनेलिया डूंगडूंग सहित सभी उसुर्लाइन धर्मबहनें, पल्ली के हेड प्रचारक बिलियम केरकेट्टा, विभिन्न मंडलियों के प्रचारक, कैथोलिक सभा अध्यक्ष अनिल बिलुंग, महिला संघ की सभा नेत्री शांति मिंज, युवा संघ अध्यक्ष अरविंद सोरेंग, युवा संघ नेत्री एडलीन टेटे सहित पंच गण उपस्थित थे। इसके अलावा पल्ली की विभिन्न मंडलियों से हजारों की संख्या में महिलाएं, पुरुष, बुजुर्ग और युवा शामिल हुए।

मौके पर पल्ली पुरोहित सह डीन फादर गब्रिएल डूंगडूंग ने खीस्त राजा पर्व के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व प्रभु येसु के प्रेम, विनम्रता, सेवा और क्षमा के संदेश को जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता है।

वहीं, सहायक पल्ली पुरोहित फादर संदीप कुमार खेस ने कहा कि प्रभु येसु के बताए रास्ते पर चलकर ही समाज में शांति, भाईचारे और आपसी प्रेम को मजबूत बनाया जा सकता है। झामुमो जिला अध्यक्ष अनिल कंडुलना ने कहा कि खीस्त राजा पर्व प्रभु येसु मसीह को संपूर्ण सृष्टि और जीवन के राजा के रूप में स्वीकार करने का पर्व है। कार्यक्रम का समापन सामूहिक प्रार्थना और प्रभु के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।

झारखंड से 12 श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान रवाना, ननकाना साहिब में मनाएंगे प्रकाश पर्व

गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व में होंगे शामिल, 10 दिवसीय यात्रा में ऐतिहासिक गुरुद्वारों के करेंगे दर्शन

कोडरमा: सिख धर्म के संस्थापक श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व समारोह में शामिल होने और ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन के लिए झारखंड से 12 सदस्यीय सिख श्रद्धालुओं का जत्था शनिवार को पाकिस्तान के लिए रवाना हुआ। कोडरमा रेलवे स्टेशन पर जत्थे की विदाई के दौरान उत्साह का माहौल रहा।

इस अवसर पर कोडरमा की पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष शालिनी गुप्ता भी स्टेशन पहुंचीं। उन्होंने श्रद्धालुओं को मिठाई खिलाकर सुखद एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी के विचार तथा मानवता, समानता और भाईचारे का संदेश पूरी दुनिया के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

देशभर से 3091 श्रद्धालु यात्रा में शामिलः झारखंड के यात्रा प्रभारी



एवं झुमरीतिलैया निवासी संजू लंबा ने बताया कि इस यात्रा में देशभर से 3091 सिख श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। झारखंड का 12 सदस्यीय जत्था 22 नवंबर को बाघा बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान पहुंचेगा। दस दिवसीय यात्रा के दौरान श्रद्धालु 24 नवंबर को श्री ननकाना साहिब में आयोजित गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व समारोह में शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान सिखों के छठे गुरु श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी से जुड़े उस गुरुद्वारे में भी मत्था टेकने का अवसर मिलेगा, जो 79 वर्षों बाद खुला है। इसके अलावा श्रद्धालु पंजा साहिब, करतारपुर साहिब और सच्चा सौदा समेत कई ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन करेंगे। तीन दिसंबर को जत्था पाकिस्तान से झारखंड लौटेगा।

झुमरीतिलैया, धनबाद और बोकारो के श्रद्धालु शामिलः जत्थे में झुमरीतिलैया से संजू लंबा, गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा के पूर्व प्रधान हरजीत सिंह सलूजा, भूपेंद्र छाबड़ा, कवलजीत कौर, नरेंद्र कौर और हरमीत कौर शामिल हैं। वहीं, धनबाद से गुरदीप सिंह, भजन सिंह, मनपित सिंह और कुलजीत सिंह तथा चंद्रपुरा (बोकारो) से शैलेन्द्र सिंह और रुमा कौर यात्रा पर गए हैं।

जयकारों के साथ दी गई विदाईः जत्थे को विदा करने के लिए स्टेशन पर वार्ड पार्षद विशाल सिंह के अलावा आनंद कुमार आनंद, मिलन शहबादी, सोनू मोदी, प्रमोद बर्नवाल, रवींद्र सिंह सबलोक, अरविंद सेठ, नवजीत सिंह सलूजा, सन्नी बग्गा, कौलेंद्र कौर, जगजीत कौर और गुरुसिंह कौर समेत सिख समाज के कई लोग मौजूद थे।

केरेडारी में कन्वेयर बेल्ट साइट पर फायरिंग, राहुल दुबे गैंग ने ली जिम्मेदारी



हजारीबाग: जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र में रविवार ताड़ के अपराधियों ने कन्वेयर बेल्ट साइट को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग की। घटना में वहां तैनात एक सुरक्षा गार्ड को गोली लगने की सूचना है। वारदात के बाद सोशल मीडिया पर राहुल दुबे गैंग के नाम से एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई, जिसमें गैंग ने गोलीबारी की जिम्मेदारी लेने का दावा किया है।

जारी बयान के मुताबिक, रविवार सुबह करीब तीन से चार बजे के बीच कन्वेयर बेल्ट परिसर में आठ से दस राउंड गोलियां चलाई गईं। गैंग ने अपने संदेश में संबंधित लोगों को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उनकी शर्तों के अनुरूप जल्द कदम नहीं उठाए गए, तो अगली बार इससे भी गंभीर हमला किया जाएगा। इस धमकी के बाद क्षेत्र के औद्योगिक प्रतिष्ठानों और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है।

दिलीप सिंह की मौत का मामला उठाकर पुलिस पर लगाए आरोपः गैंग ने अपने बयान में हजारीबाग पुलिस प्रशासन पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। बयान में दिलीप सिंह उर्फ शाखा की कथित पुलिस हिरासत में मौत का मामला उठाया गया है। गैंग का आरोप है कि पुलिसकर्मियों की पिटाई से दिलीप सिंह की मौत हुई थी और बाद में उसके शव को लावारिस हालत में फेंक दिया गया।

इस मामले में गैंग ने अब्दुल कादिर फतेह अली खान और उनके सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, गैंग की ओर से जारी बयान में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

टाटानगर स्टेशन पर जांच के बाद ही पैंट्री कार में पहुंचेगा खाना-नाश्ता, एक्सपायरी सामग्री मिलने पर होगी कार्रवाई

वंदे भारत में एक्सपायरी मिक्सचर परोसे जाने के बाद रेल प्रशासन सख्त, बैच नंबर और एक्सपायरी डेट की होगी जांच

संवाददाता

जमशेदपुर: टाटानगर रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली और यहां से खुलने वाली ट्रेनों की पैंट्री कार में अब बिना जांच के भोजन और नाश्ते की डिलीवरी नहीं की जा सकेगी। हाल ही में वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रियों को एक्सपायरी मिक्सचर परोसे जाने की घटना को गंभीरता से लेते हुए रेल प्रशासन ने खानपान व्यवस्था की जांच सख्त कर दी है। इसके साथ ही वेंडरों की मनमानी पर अंकुश लगाने की तैयारी की जा रही है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, वंदे भारत जैसी प्रीमियम ट्रेन में एक्सपायरी खाद्य सामग्री परोसा जाना गंभीर लापरवाही है। इससे यात्रियों की सेहत के साथ खिलवाड़ होने के साथ रेलवे की छवि को भी नुकसान पहुंचा है।



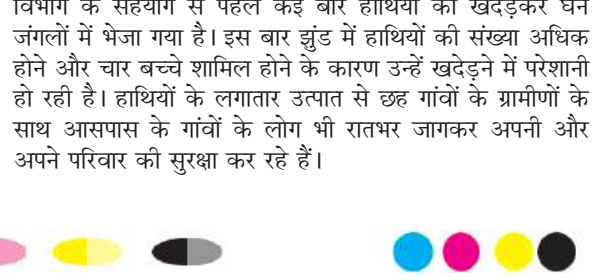
इसे देखते हुए टाटानगर स्टेशन के वाणिज्य विभाग और खानपान निरीक्षकों को अलर्ट किया गया है।

अब बेस किचन या बाहरी वेंडरों से आने वाले प्रत्येक खाद्य पदार्थ की जांच की जाएगी। इसमें पका हुआ भोजन, नाश्ता और पैकेटबंद स्नैक्स शामिल हैं। सभी खाद्य सामग्री के बैच नंबर, निर्माण तिथि और एक्सपायरी डेट की अनिवार्य रूप से जांच होगी।

संबंधित अधिकारी से अनुमति मिलने के बाद ही खाद्य सामग्री को ट्रेन की पैंट्री कार में लोड किया जा सकेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी ट्रेन में बासी, घटिया या एक्सपायरी खाद्य सामग्री मिलने पर संबंधित वेंडर और पैंट्री संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसमें लाइसेंस रद्द करने के साथ भारी जुमार्ना भी लगाया जा सकता है।

कैटरिंग एजेंसी पर लगा था एक लाख रुपये का जुर्मानाः गौरतलब है कि 18 नवंबर को वंदे भारत एक्सप्रेस के सी-9 कोच में शाम के नाश्ते के दौरान यात्रियों को एक्सपायरी मिक्सचर परोसा गया था। शिकायत मिलने के बाद रेलवे ने संबंधित कैटरिंग एजेंसी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। इस घटना के बाद स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्मों पर भी औचक निरीक्षण अभियान तेज कर दिया गया है, ताकि यात्रियों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जा सके।

45 हाथियों के झुंड ने मचाया उत्पात, दो घर तोड़े और फसलें कीं बर्बाद, छह गांवों में रतजगा



आनंदपुर: ओडिशा से पहुंचे 45 हाथियों के झुंड ने बिंजु पंचायत के ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है। शनिवार की रात हाथियों ने मेरालिकीर गांव में दो घरों को तोड़ दिया और उनमें रखा अनाज खा गए। इनमें एक घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। ग्रामीणों की सतर्कता के कारण घरों में रह रहे लोगों की जान बच गई। इसके अलावा हाथियों ने लोरपोंडा और मेरालिकीर गांव में फसलों को भी नुकसान पहुंचाया है।इससे पहले हाथियों का झुंड रुंघी और बिंजु गांव में भी फसलों को काफी नुकसान पहुंचा चुका है। हाथियों के लगातार उत्पात से ग्रामीणों की सालभर की मेहनत बर्बाद हो रही है। चार दिन बीत जाने के बावजूद हाथियों को खदेड़ने के लिए कोई ठोस रणनीति नहीं बनाए जाने से वन विभाग के प्रति ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है।

लंबे समय से हाथियों का कॉरिडोर रहा है इलाकाः बिंजु पंचायत का रुंघी गांव ओडिशा की सीमा से सटा हुआ है। वन अधिकारियों के अनुसार, सारंडा और ओडिशा से पोड़ाहाट वन प्रमंडल पहुंचने के लिए हाथियों का यह प्रमुख कॉरिडोर है। बिंजु, रुंघी, मेरालिकीर, लोरपोंडा, टुंगरीटोला और ढोढरोबारू के जंगलों में विचरण करते हुए हाथियों का झुंड इन गांवों में पहुंचकर उत्पात मचाता है।

फसलों को नुकसान पहुंचाने के अलावा इस क्षेत्र में हाथियों के हमले से कई बार लोगों की जान भी जा चुकी है। ग्रामीणों और वन विभाग के सहयोग से पहले कई बार हाथियों को खदेड़कर घने जंगलों में भेजा गया है। इस बार झुंड में हाथियों की संख्या अधिक होने और चार बच्चे शामिल होने के कारण उन्हें खदेड़ने में परेशानी हो रही है। हाथियों के लगातार उत्पात से छह गांवों के ग्रामीणों के साथ आसपास के गांवों के लोग भी रातभर जागकर अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा कर रहे हैं।